राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,30 अक्टूबर–2021 वर्ष–4,अंक–279 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

अफीम और गांजा के साथ तीन शख्स पुलिस के शिकंजे में

क्रांति समय ,सूरत

सूरत,सूरत की पूणा पुलिस ने शहर के नियोल चौक के निकट से तीन शख्सों को अफीम और गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूर्व सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्यवाही की। आगामी दिवाली के त्यौहारों को लेकर पुलिस लगातार गश्त कर रही है। इस बीच सूरत की पूणा पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ शख्स अफीम और गांजा लेकर नियोल चौक की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस नियोल चौक पर निगरानी बढ़ा दी। उस दौरान तीन शख्सों की संदिग्ध गतिविधियां देख पुलिस ने उन्हें रोक लिया और पूछताछ शुरू की। तीनों के सामान की तलाशी में 1 किलो 190 ग्राम अमीम और 9.96 किलो ग्राम गांजा बरामद हुआ। अफीम और गांजा बरामद होने के बाद पुलिस ने तीनों शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए शख्स अफीम और गांजा कहां से ला रहे थे और किसी पहुंचाने जा रहे थे, इस दिशा में पुलिस ने पूछताछ शुरूकी है।

ठंड के लिए रहें तैयार,2 से 3 डिग्री गिरेगा तापमान,चलेंगी शर्द हवाएं

क्रांति समय ,सूरत

दिवाली से पहले ठंड का अहसास होने लगा है, जिसके आगामी 2-3 दिनों के भीतर और बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2-3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होगी। उत्तर–पूर्व की हवा चलने से सौराष्ट्र–कच्छ समेत उत्तरी गुजरात में ठंड में इजाफा होगा। हांलाकि अगले कुछ दिनों लोगों को दोहरी ऋतु का अनुभव होगा। गुजरात में उत्तर–पूर्व की हवा चलने से आगामी दिनों में ठंड बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। राज्य के कई शहरों में तो कड़ाके की ठंड महसूस होने की लगी है। गांधीनगर में दो दिन से तापमान गिरने से लोगों की कपकंपी छूटने लगी है। गांधीनगर में आज न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री दर्ज हुआ। इस प्रकार गांधीनगर में दिन के तापमान के मुकाबले रात्रि के तापमान मं 50 प्रतिशत की गिरावट आई है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी तीन दिनों में तापमान गिरने से ठंड और बढ़ेगी। आगामी तीन दिन अहमदाबाद में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और औसत न्यूनतम तापमान 19 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। गांधीनगर और नलिया को छोड़ राज्य के सभी शहरों में तापमान 20 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ है।

राष्ट्रपति ने भावनगर में पीएमएवाय यू के तहत1088आवासों का लोकार्पण किया

भावनगर,राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को भावनगर में प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी (पीएमएवाय–यू) के तहत रु 58.83 करोड़ की लागत से नवनिर्मित 1088 ईडब्ल्यूएस–1 आवासों का लोकार्पण किया। इस मौके पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल उपस्थित रहे। भावनगर महानगर पालिका क्षेत्र में पीएमएवाय के नवनिर्मित आवासों का लोकार्पण करते हुए राष्ट्रपति ने दिवाली से पहले गृह प्रवेश करनेवाले लाभार्थियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने प्रतीक स्वरूप 5 लाभार्थियों को आवास की चाबी अर्पण करते हुए पीएनजी पाइपलाइन समेत अत्याधुनिक आवासी सुविधाओं की प्रशंसा की। साथ ही गुजरात में पीएमएवाय समेत हाउसिंग प्रोजेक्ट क्षेत्र की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। आवास लोकार्पण के अवसर पर 2022 तक सभी को आवास उपलब्ध कराने

के प्रधानमंत्री के संकल्प को गुजरात में साकार करने का रोडमेप दर्शाता प्रेजन्टेशन राष्ट्रपति के समक्ष पेश किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत भावनगर में नवनिर्मित आवासों में दो रूम, वॉश एरिया, रसोई घर, शौचालय और बाथरूम की सुविधा के अलावा पीएनजी गैस पाइपलाइन का कनैक्शन भी लाभार्थियों को दिया गया है। इतना ही नहीं लिफ्ट, फायर सेफ्टी, कॉम्युनिटी होल, चिल्ड्रन प्ले एरिया, स्ट्रीट लाइट और पक्की सड़क जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। गुजरात में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक 8.24 लाख जितने आवास मंजूर किए गए हैं। जिसमें 5.53 लाख जितने आवास का काम पूर्ण हो चुका है और शेष आवास के निर्माण कार्य प्रगति पर है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नवनिर्मित आवास–योजना की तकती का अनावरण और आवास ब्लॉक का लाल फीता काटकर आवास प्रकल्प का उदघाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति की धर्मपत्नी सविता कोविंद के अलावा राज्य के शिक्षा मंत्री जीतुभाई वाघाणी, सांसद डॉ. भारतीबेन शियाल, भावनगर की महापौर कीर्तिबाला धाणीधारिया, विधायक विभावरीबेन दवे, जिला कलेक्टर योगेश निरगुडी, जिला विकास अधिकारी डॉ. प्रशांत जिलोवा समेत अधिकारी और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मानहानि केस में राहुल गांधी ने सूरत कोर्ट में बयान दर्ज कराया,कहा–मैं कुछ जानता नहीं

क्रांति समय ,सूरत

सूरत,कांग्रेस नेता राहुल गांधी मानहानि के मामले में शुक्रवार को सूरत की अदालत में पेश हुए और अपना बयान दर्ज कराया। कोर्ट में पूछे गए सभी सवालों के जवाब में राहुल गांधी ने सिर्फ इतना कहा–मैं कुछ नहीं जानता। इस मामले में याचिकाकर्ता और राज्य के परिवहन मंत्री पूर्णेश मोदी के वकील पीवी राठौड़ ने बताया कि दो गवानों का बयान 25 अक्टूबर को दर्ज हो चुका है। जिसमें रिकार्डिंग करने वाले प्रकाश और शिव स्वामी शामिल हैं। दोनों गवाहों के बयान के अंतर्गत कोर्ट ने अतिरिक्त स्टेटमेंट देने के लिए राहुल गांधी को तलब किया था। आज कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी ने कहा कि इस रिकार्डिंग और उससे संबंधित मामलों की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। कोर्ट में हाजिर होने से पहले सूरत में राहुल गांधी का दो जगहों पर गर्मजोशी के साथ स्वागत कियागया। सूरत शहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शहर के एसवीएनआईटी सर्कल और पूजा अभिषेक टावर के निकट

राहुल गांधी का स्वागत किया गया। साथ ही सूरत जिला और दक्षिण गुजरात की कांग्रेस टीम ने एयरपोर्ट से एसवीएनआईटी सर्कल तक दो पोइंट बनाकर राहुल गांधी का स्वागत किया। सूरत एयरपोर्ट पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। एयरपोर्ट से निकलकर राहुल गांधी सीधे कोर्ट पहुंचे। गौरतलब है 13 अप्रैल 2019 को कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी रैली में मोदी सरनेम पर कथित तौर पर टिप्पणी करने को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में सूरत के तत्कालीन भाजपा विधायक और राज्य के मौजूदा परिवहन मंत्री पूर्णेश मोदी ने भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत मानहानि का मामला दर्ज कराया था। राहुल गांधी ने कोलार में रैली के दौरान अपने भाषण में कथित तौर पर पूछा था कि नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेंद्र मोदी .... सभी चोरों का सामान्य सरनेम मोदी कैसे है? इसी मामले में राहुल गांधी आज दोपहर सूरत के मुख्य ज्यूडिशियल मैजिस्ट्रेट एएन दवे की अदालत में पेश हुए और अपना बयान दर्ज कराया। राहुल गांधी की इस मामले में सूरत की कोर्ट में आज तीसरी पेशी थी। इससे पहले वह इसी साल 24 जून को पेश हुए थे और पहली बार बयान दर्ज कराया था। दोनों ही मौकों पर उन्होंने केवल यही कहा कि उन्हें कुछ पता नहीं अथवा याद नहीं। सबसे पहले वह इस मामले में अक्टूबर 2019 में अदालत में पेश हुए थे और अपने खिलाफ सभी आरोपों को नकार दिया था।

एलसीबी ने चिखली में जुआ खेल रहे 12आरोपियों में से 6 लोगो को भगोड़ा घोषित किया.

क्रांति समय ,सूरत

नवसारी,दिवाली के नजदीक निर्देश दिया था। इस बीच, इस सूचना पर कि सहुगम के किया है और छह को वांछित घोषित किया है। एलसीबी की कुल 1,41,750 गांजा कार्ड, 21,000 फोन, एक भगोड़े

आते ही कुछ जुआरी झाड़ियों में जुआ खेलते नजर आए। एलसीबी को नवसारी जिले के पुलिस अधीक्षक हृषिकेश उपाध्याय ने निषेध और जुआ के अपराधों की जांच करने का चंद्रकांत उर्फ बंटी ने चिखली तालुका के सरिया गांव में जदी फलिया के पास अंबिका नदी के किनारे लोगों को जुआ खेलने की व्यवस्था की थी, एलसीबी ने छह जुआरियों को गिरफ्तार छापेमारी के दौरान बंटी जुआ खेलते हुए छह लोगों को पकड़ा गया और छह लोग वाहन छोड़कर भाग गए। इसलिए एलसीबी ने कुल छह आरोपियों को वांछित घोषित किया है। का 15,000 रुपये का फोन, 1 लाख 90 हजार रुपये का वाहन और कुल 3 लाख 67 हजार 750 रुपये जब्त किए गए हैं। फिलहाल पूरे मामले की जांच चिखली पुलिस कर रही है

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अग्नि परीक्षण

अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, इससे हमारी रक्षा पंक्ति को बहुत मजबूती मिलेगी। ओडिशा के डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड से इस सफल परीक्षण को अंजाम दिया गया है। इस मिसाइल के जरिये भारत अपने दुश्मनों पर पांच हजार किलोमीटर की दूरी तक प्रहार कर सकता है, इसका मतलब यह है कि यह मिसाइल अंतर-महादेशीय है। यदि जरूरत पड़ी, तो हम अब यूरोप और अफ्रीका तक पहुंच सकते हैं। विशेष रूप से शत्रुता के भाव वाले कुछ राष्ट्रों से घिरते भारत के लिए इस मिसाइल की उपयोगिता को सहज समझा जा सकता है। ऐसे हथियार इसलिए भी जरूरी हैं कि कोई भी देश हमें कमजोर न समझे। आक्रामकता या मिसाइल-संपन्नता से हमारी रक्षा को ही मजबूती मिलेगी। वैसे भी भारत की नीति नहीं है कि वह किसी भी देश को परेशान करे और अगर हमारे कुछ पड़ोसी देशों की नीति भी ऐसी ही होती, तो फिर हमें मिसाइल पर व्यय की जरूरत नहीं थी, लेकिन जब शत्रु दल आपको चारों ओर से घेर रहे हों, तब ऐसी मिसाइल-संपन्नता बहुत जरूरी हो जाती है। आज चीन सीमा पर जिस तरह से आक्रामक तैनाती कर रहा है, उसे देखते हुए भारत की रक्षा ताकत का बढ़ना वाजिब है। इधर, यह खबर बड़ी चर्चा में है कि अग्नि-5 की सफलता के बाद भारत अब रूस से एस-400 मिसाइलों की 5 रेजीमेंट खरीद रहा है। रूस से अगर हमें यह ताकत हासिल हुई, तो फिर हमारी ओर आंख उठाकर देखना किसी के लिए भी मुश्किल हो जाएगा। चीन स्वयं अपनी रक्षा या आक्रामकता को लगातार बढ़ाने में जुटा है, लेकिन जब भारत ने अग्नि-5 का परीक्षण किया, तो वह एक तरह से बौखला गया। भारत की बढ़ती ताकत पर उसकी बौखलाहट नई नहीं है। चीन जब स्वयं अपनी ताकत में इजाफा करता है, तब एशिया में शांति भंग होने की आशंका पैदा नहीं होती, लेकिन जब भारत इस दिशा में कदम बढ़ाता है, तो चीन को शांति की याद आती है। उसने आरोप लगाया है कि भारत एशिया में माहौल खराब करना चाहता है। भारत की शिकायत आज संयुक्त राष्ट्र से कर रहा चीन कतई यह देखने को तैयार नहीं कि उसने खुद एशिया में शांति के लिए क्या किया है। भारत जैसे शांतिप्रिय व लोकतांत्रिक देश को लगातार निशाना बनाने का वह कोई मौका नहीं चूकता। अत- चीन की आपत्ति का यथोचित जवाब ही यही है कि भारत अग्नि मिसाइलों की मारक क्षमता का विस्तार करता चले। चीन की चिंता यह भी होगी कि भारत भी अग्नि मिसाइल की जरिए 1,500 किलोग्राम के परमाणु हथियार दागने में सक्षम हो गया है। हालांकि, यह भी सच है कि चीन ने अगस्त महीने में लॉन्ग मार्च नामक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल का परीक्षण किया था, यह मिसाइल भी बहुत दूर तक परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है और इसलिए अमेरिका अपनी व यूरोप की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। अत- अमेरिका भी कमोबेश यही चाहेगा कि भारत की मिसाइल ताकत को बढ़ने दिया जाए। दो अमेरिकी सीनेटर तो खुलकर सामने आ गए हैं कि भारत-रूस के बीच हो रहे सौदे में अड़ंगा न लगाया जाए। यह सौदा रणनीतिक रूप से भी मुफीद है, क्योंकि चीन और रूस के बीच संबंधों में गरमाहट बढ़ रही है। जरूरी है कि भारत सावधान कदमों के साथ खुद को मजबूत करे।

‘आज के ट्वीट

परिश्रम

जब कोरोना का संकट आया तो बहुत सारी आशंकाएं व्यक्त की गई, मगर इस संकट से निपटने में प्रधानमंत्री मोदीजी ने अनथक परिश्रम किया है।

-- राजनाथ सिंह

तंत्र में स्व को स्थापित करने का समय

– शिवकुमार विवेक

अमृत महोत्सव में स्वतंत्रता के संघर्ष और उसके सुफल की चर्चा की जा रही है। यह अवसर अंग्रेजों की तीन सौ साल से अधिक की दासता को याद करते हुए भारतीय स्वाधीनता की ललक को याद करने का है। ऐसी स्मृतियां हमारी चेतना की गवाही देती हैं और उसे जाग्रत रखने में सहायक होती हैं। इसके लुप्त या क्षीण होने पर ही पराधीनता या मूल्यों के अपहरण की नौबत आती है। क्या हम स्वतंत्रता के समारोह आयोजित करके ही अपनी स्वाधीनता को कायम रखने की शक्ति-सामर्थ्य पा जाएंगे? असल में केवल स्वतंत्रता ही इसकी गारंटी नहीं है। निश्चित ही हमने स्वतंत्रता को जीवन की अनेक कठिनाइयां झेलकर पाया है। हमारी पीढ़ियों के बलिदान ने आज हमें अपनी हवा में सांस लेने और फलने-फूलने का अवसर उपलब्ध कराया है। इसलिए यह हमारे राष्ट्र जीवन की अमूल्य निधि और ऐतिहासिक उपलब्धि है। लेकिन यही राष्ट्रजीविता की कुंजी नहीं हो सकती। राष्ट्रजीवन ‘स्व’ का तंत्र स्थापित करने मात्र से संजीवनी नहीं पा जाता बल्कि उसके लिए ‘स्व’ की हर क्षेत्र में सत्ता और महत्ता की जरूरत है। चाहे वह मन का क्षेत्र हो या जीवन से जुड़े अन्य क्षेत्र जो सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक सभी हैं। इनमें स्व को अनुभूत, प्रयोगसिद्ध और प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता है। स्वतंत्रता का आंदोलन संपूर्ण ‘स्वबोध या स्वत्व’ को लेकर चला था। लेकिन धीरे-धीरे इसका संकेन्द्रण ‘स्व के शासन तंत्र’ पर हो गया। तत्कालीन परिस्थितियों में यह विचार भी गैरवाजिब नहीं था कि पहले हमें स्वयं का तंत्र स्थापित करना होगा, तदनंतर हम अन्य क्षेत्रों में स्वायत्तता अथवा स्वदेशी व्यवस्थाएं व विचार को प्रस्थापित कर सकेंगे। इसलिए कांग्रेस आंदोलन का पूरा एजेंडा विदेशी तंत्र को उखाड़ कर स्व-तंत्र लाने का रहा। क्रांतिकारी भी इसी दृष्टिकोण पर काम कर रहे थे। यद्यपि उनमें भी भगत सिंह जैसे लोग वैचारिक धरातल खोजने की पहल करते दिखते हैं। वैसे ही स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी स्वानुभूति, स्वत्व या स्व के समावेश के लिए सक्रिय दिखते हैं। कांग्रेस आंदोलन में वही एकमात्र व्यक्ति हैं जो स्व की चिंता को सर्वोपरि रखते हुए उसके लिए समांतर कोशिश करते हैं। यद्यपि स्वतंत्रता आंदोलन में कांग्रेस और क्रांतिकारी धारा के अलावा एक समांतर धारा बराबर ऐसी चल रही थी जो इसी स्वत्व के प्रति काम कर रही थी। उसका विचार दूरगामी था। वह मानती थी कि सत्ता प्राप्त करने के लिए भारतीय स्वत्व को तो जगाना ही होगा, इसे चिरस्थायी करने के लिए भी स्वत्व को केन्द्र में रखना होगा। वरना सत्ता या स्वतंत्रता स्थायी नहीं हो सकती। इस धारा को स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जैसी विभूतियां बल देती रहीं। इन्हें अहसास था कि भारतीय गुलामी की बड़ी वजह हमारा स्व भूल जाना था। केवल व्यक्तिगत स्व ही नहीं, समष्टि का स्व, सामूहिकता का स्व, राष्ट्र का स्व। यह स्व भौगोलक सीमाओं के संरक्षण, राजनीतिक सत्ता के अधिकार और सामाजिक संस्थाओं में वर्चस्व से नहीं आ सकता, अपितु यह हमारे अपने मूल्यों, समाज की अंदरूनी शक्तियों और जीवन की अक्षुण्ण व कालजयी परंपराओं से आएगा। चूंकि स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख राष्ट्रीय धारा ने सत्ता हस्तांतरण को प्रमुखता से केन्द्र में रखा इसलिए विडंबनापूर्ण ढंग से सत्ता मिलने पर सत्ता संचालन ही उसकी प्राथमिकता बन गया। आजादी के साढ़े सात दशक की समीक्षा करने पर हम यही पाते हैं कि यह पूरा कालखंड सत्ता संचालन की प्रविधियां तय करने का समय है। भौतिक विकास हुआ है लेकिन यह किसी भी सरकार के अस्तित्व की भी शर्त है। लेकिन क्या हमने समाज के स्वरूप को सुधारा, क्या हमने संस्कृति के विलुप्त हुए तत्वों को तलाशा, क्या

हमने आत्माभिमान, आत्मगौरव और आत्मानुभूति कराने वाली शिक्षा व्यवस्था, मूल्य प्रणाली और प्रतिमानों को स्थापित किया? जब इस बारे में सोचते हैं तो निराशा होती है। सरकार बदलने के साथ इसमें सुधार और संशोधन शुरू हुए हैं जो अच्छी बात है। इसकी जरूरत थी। लेकिन ऐसा करना ही पर्याप्त इसलिए नहीं है क्योंकि इन्हें कोई भी नई सरकार आने के बाद या पुरानी के वापस लौटने पर फिर इन्हें स्थगित कर सकती है या निरस्त कर सकती है। उनकी अपनी राजनीतिक बाध्यताएं हो सकती हैं, जैसा हमारा अनुभव है। इसलिए इतिहास बदलने, पाठ्यपुस्तकों में संशोधन करने, पुरानी मूर्तियां हटाकर नई बनाने और पुराने मूर्तिमानों को हटाकर नए प्रतिमान रख देने भर से काम नहीं चलेगा। आत्मबोध के लिए दीर्घकालिक और स्थायी किस्म का काम करना होगा। जिसके मामले में बहुत काम करने की जरूरत है और यह काम सरकारें कम, समाज ज्यादा कर सकता है। हमें यह शिकायत है कि हमारी नई पीढ़ी को आजादी के मूल्य, हमारे समाज की मूल्य परंपरा और राष्ट्रीय गौरव जैसी चीजों से बहुत लेना-देना नहीं है। भाषा के मामले में यह शिकायत ज्यादा गंभीर है। जबकि भाषा हमारी पूरी सांस्कृतिकता को अभिव्यक्त करती है। वह विरासत से जोड़ती है। उसे समझने में सहायक होती है। अपनी भाषा को न समझना एक बात है, जिसे समझाया जा सकता है लेकिन समझने की कोशिश न करना या उसकी जरूरत ही महसूस न करना दूसरी बात है। यह दूसरी बात इसलिए खटकती है कि हमें देशवासियों से संवाद की भाषा की जरूरत महसूस नहीं होती या संवाद-सेतु की अब आवश्यकता नहीं लगती। हमारी अपनी पूंजी लुट रही है और हम उधार की पूंजी से खुश हो रहे हैं। भाषा जैसा हाल हर क्षेत्र में हो रहा है। जब हम अपनी चीज खोकर दूसरे को अपनाते हैं तो हमारे पास अपना कुछ नहीं होता। और अपना कुछ नहीं होने से, जिसे हम अपना स्वत्व कहते हैं, हमारी वैश्विक जगत में क्या पहचान है-यह सोचने का विषय है। नई पीढ़ी से यदि इस बारे में शिकायत है तो इसके लिए असल में तो हम यानी हमारा समाज ही जिम्मेदार है। इतिहास के बारे में भी यही बात है। हम शिकायत करते हैं कि अंग्रेजों या काले निहित स्वार्थी अंग्रेजों का तैयार किया हुआ सिलेक्टिव इतिहास पढ़ाकर हमारी कई पीढ़ियों को आत्मगौरव और हमारे समाज की अंतर्निहित शक्ति-सामर्थ्य-गौरव के भान से वंचित कर दिया गया। तो इसके लिए समाज भी उतना ही जिम्मेदार है। उसके पास ऐसी संस्थाएं, लोग और उपकरण नहीं थे जो इस काम को कर सकें। अगर ये होते तो शायद सरकारों को भी सही राह पर रखने की कोशिश कारगर होती। स्वतंत्रता संग्राम की हीरक जयंती स्व बोध, स्व की अनुभूति, स्व के गौरव और स्व के अभिमान की बात करने का समय है। यह स्व ही हमें एक राष्ट्र के रूप में पहचान देगा। आज विदेश जाने वाले बच्चों से वहां जब लोग अपने बारे में पूछते हैं तो अक्सर वे निरुत्तर हो जाते हैं। कुछ अभिभावकों की यह शिकायत हमारी उसी कमी को इंगित करती है। भारत के पास राष्ट्र के रूप में गर्व करने के लिए दुनिया में सबसे ज्यादा धरोहरें हैं। ज्ञान के मामले में हमने पांच हजार साल से गहरे अनुसंधान किए। चार-पांच सभ्यताओं को छोड़कर सभी अपेक्षाकृत नई और परवर्ती हैं। वैयक्तिक उत्थान के मामले में भारत के बराबर आज भी किसी के पास ज्ञान भंडार नहीं है। विश्व के विकसित देशों के विद्वानों ने यहां आकर अपनी जिज्ञासाएं और ज्ञान की भूख शांत की और शेष विश्व को बताया। प्राचीन परंपराओं और समाज के अध्ययन से पता चलता है कि हमने रंगकर्म, व्याकरण, पुराविज्ञान, चिकित्सा, शिक्षा प्रणाली जैसे तमाम क्षेत्रों में आविष्कार और कतिपय सिद्धांतों का निर्माण किया। लेकिन हमें पराभव याद है, उद्भव और विकास की कहानी नहीं। यह पराभव हमें फिर पराभव ही दे सकता है, जबकि जिजीविषा की कहानियां दुनिया में सिर उठाने का माद्दा देंगी। इसलिए हमें यदि दीर्घजीवी समाज के रूप में जिंदा रहना है और वैश्विक पहचान रखनी है तो अपने स्व को जानना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

मुक्ति का मार्ग

जग्गी वासुदेव

जैसे जैसे हमारी जागरूकता में तीव्रता और पैनापन आने लगता है, एक बात जिसके बारे में हम स्वभाविक रूप से सबसे पहले जागरूक होते हैं, वह है सांस। हमारे शरीर में चलने वाली सांस, एक यांत्रिक प्रक्रिया है, जो लगातार बिना रु के चलती है। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि कैसे अधिकतर लोग इसके बारे में जागरूक हुए बिना ही जीते रहते हैं। लेकिन एक बार जब आप सांस के बारे में जागरूक हो जाते हैं, तो ये एक अदभुत प्रक्रिया बन जाती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आज ‘सांस को देखना’ संभवतः ध्यान की सबसे अधिक लोकप्रिय विधियों में से है। यह मूलभूत और सरल है व इतनी आसानी से और स्वाभाविक रूप से होती है कि इसके लिए कोई तैयारी नहीं करनी पड़ती। अगर आप थोड़े से ज्यादा सचेत हो जाते हैं, तो आप की सांस स्वाभाविक रूप से आप की जागरूकता में आ जाएगी। मैं छह-सात वर्ष का था, जब मैंने अपनी सांस का आनंद लेना शुरू किया। अपनी छोटी सी छाती और पेट को लयबद्ध ढंग से ऊपर-नीचे होते देखने में मुझे बहुत रूचि थी और मैं घंटों तक बस यही करता रहता था। ध्यान का विचार तो काफी बाद में मेरे जीवन में आया। तो अगर आप थोड़े से भी सचेत हैं तो आप सांस की सरल लय को अनदेखा नहीं कर सकते, जो बिना रु के चलती रहती है। अधिकतर लोगों का ध्यान अपनी सांस की ओर तभी जाता है जब उनकी श्वास निलयों में ऐंठन आ जाती है, या सांस ज्यादा तेजी से चलती है। वे अपनी सामान्य सांस को अनदेखा कर रहे हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि उनमें ध्यान देने की कमी एक गंभीर समस्या है। और आजकल तो लोग ध्यान की कमी को एक योग्यता की तरह देख रहे हैं। अपने जीवन में, और खास तौर पर अपने बच्चों के जीवन में, ध्यान देने की प्रवृत्ति लाना बहुत महत्त्वपूर्ण है। आखिर में, बात चाहे आध्यात्मिक हो या सांसारिक, दुनिया से आप को उतना ही मिलता है जितना आप ध्यान देने को तैयार हैं। सांस पर ध्यान देना वैसे तो एक जबरन प्रयास है। मगर यह आपको सचेत करने का एक तरीका भी है। महत्वपूर्ण चीज अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करना नहीं है, बल्कि अपनी जागरूकता के स्तर को इतना ऊंचा उठाना है कि आप स्वाभाविक रूप से अपनी सांस के प्रति सचेत हो जाएं। सांस लेना एक यांत्रिक प्रक्रिया है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

अरूसा से रुसवा, निशाना कहीं और

अरुण नैथानी

वैसे तो उनका भारत आना-जाना पिछले दो दशक का किस्सा है, मगर जब राजा सत्ता से हटता है तो उसे और कमजोर करने के प्रयास होते हैं। चौतरफा हमले कर तिल का ताड़ बनाना राजनीति का शगल भी है। कल तक जो कैप्टन अमरेंद्र के मातहत थे वे आजकल हमलावर हैं। सर्वविदित है कि पाक की चर्चित पत्रकार अरूसा आलम की पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र से मित्रता रही है। वह गाहे-बगाहे भारत आती भी रही हैं। रक्षा मामलों को कवर करने वाली पत्रकार अरूसा का पाकिस्तान में यह रुतबा रहा है कि उन्हें ‘जनरल रानी’ की संज्ञा दी जाती रही है। उनके सेना के बड़े अधिकारियों से अच्छे रिश्ते रहे हैं। फिलहाल वह पंजाब की राजनीति में फंसी हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले कैप्टन अमरेंद्र लगातार कांग्रेस संगठन के नेताओं और केंद्रीय नेतृत्व पर हमलावर रहे हैं। ऐसे में जब उन्होंने नई पार्टी के गठन की प्रक्रिया शुरू की है और कहा है कि वे नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे तो वे कांग्रेसी नेताओं के निशाने पर आ गये हैं। पंजाब में उनके विरोध की राजनीति गरमाई हुई है। दरअसल, कांग्रेस के नेताओं को डर है कि कहीं वे कांग्रेस को नुकसान न पहुंचा दें, इसलिये उनकी छवि पर सवाल खड़े करके बढ़त लेने का प्रयास हो रहा है। दरअसल, इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब पंजाब के उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने अरूसा आलम के आईएसआई से संबंधों को लेकर जांच करने के आदेश दिये, जिसके बाद मीडिया व सोशल मीडिया पर मामला उछलने लगा। ट्विटर युद्ध शुरू हो गया। यह कोई नई बात नहीं है जब सरकारों व राजनेताओं के विरोध की सीमा सामने आती है तो वे आईएसआई का मुद्दा उछाल देते हैं। वर्ष 2018 में जब नवजोत सिंह सिद्धू पाकिस्तान गये तो पाक सेनाध्यक्ष कमर बाजवा से गले मिलने के बाद विवादों में फंस गये थे। कैप्टन अमरेंद्र अक्सर कहते रहे हैं कि पाक पंजाब को अस्थिर करने का प्रयास करता रहता है, नशीले पदार्थ व हथियार भेज रहा है और सिद्धू पाक पीएम से दोस्ती निभा रहे हैं। विवाद के बाद कैप्टन अमरेंद्र भी हमलावर हुए और सोशल मीडिया पर सोनिया गांधी, भाजपा के कई नेताओं और अधिकारियों के साथ अरूसा के फोटो सोशल मीडिया पर डाले कि उसका भारत आना-जाना कोई चोरी-छिपे का मामला नहीं है। वहीं अरूसा ने भी भारतीय मीडिया से बातचीत में कहा कि विचार मिलने के कारण कैप्टन अमरेंद्र ने मुझे दोस्त बनाया तो यह मेरी खुशकिस्मती है। साथ ही कहा कि राजनीतिक लाभ के लिये कांग्रेस नेताओं द्वारा मुझे विवाद मे घसीटा जा रहा है। लगता है नेताओं के पास मुद्दों की कमी हो गई है तभी वे मेरा नाम लेकर राजनीति कर रहे हैं। मैं नेताओं के बयानों के स्तर से बहुत दुखी हूं और अब भारत नहीं आऊंगी। वह कहती हैं कि वे पिछले दो दशक से भारत आ रही हैं। पहले पत्रकार के तौर पर और प्रतिनिधिमंडल का सदस्य होने के नाते तथा पिछले सोलह साल से कैप्टन के निमंत्रण पर आ रही हूं। फिर मुझे लेकर यह अचानक विवाद क्यों? सभी जानते हैं कि भारत आने के लिये वीजा व जांच की कठिन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिसमें खुफिया एजेंसियां, गृह व विदेश मंत्रालय की पड़ताल शामिल होती है। राजनीतिक पंडित भी मानते हैं कि अरूसा व कैप्टन की दोस्ती कोई नई बात नहीं है, सारा पंजाब जानता है, लेकिन दरअसल शोर आसन्न विधानसभा चुनावों को लेकर है। देश के कांग्रेस नेताओं, भाजपा नेताओं, नौकरशाहों व पुलिस अधिकारियों के साथ फोटो जारी करके कैप्टन ने यही बताना चाहा कि उनका भारत आना गोपनीय मामला नहीं था।

दरअसल, कैप्टन की नई पार्टी बनाने की घोषणा और नवजोत सिद्धू को हरवाने के लिये प्रयास करने के दावे के बाद उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। तेज-तर्रार व रक्षा मामलों की पत्रकार अरूसा आलम की पाकिस्तान में भी तूती बोलती रही है। उसने अस्सी के दशक के मध्य पत्रकारिता की शुरुआत की थी। उसका मुख्य विषय रक्षा मामलों से जुड़े मुद्दे रहे हैं। बताते हैं कि वह पाकिस्तान में अगस्ता-90-बी पनडुब्बी घोटाले का खुलासा करने के कारण सुर्खियों में आई थी। उनकी प्रामाणिक रिपोर्टिंग के आधार पर उस दौरान के नौसेना प्रमुख की गिरफ्तारी हुई थी। कहते हैं कि सेना के ऊंचे अधिकारियों से उनकी पहुंच रही है। उनके प्रभाव का यह आलम रहा है कि उन्हें ‘जनरल रानी’ का उपनाम तक दिया गया था। साथ पत्रकार संगठनों में भी काफी सक्रिय रही हैं और साउथ एशिया फ्री मीडिया एसोसिएशन की अध्यक्ष भी रही हैं। दरअसल, उनकी परवरिश ऐसे परिवार में हुई, जिसका देश के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क रहा है। उनके पिता को तब के पाक राष्ट्रपति याह्या खान का नजदीकी मित्र बताया जाता है। वहीं उनकी मां अकलीम अख्तर की भी पाक राजनीति में गहरी दखल रही है।

अरूसा के दो बेटे हैं, जिनमें एक वकील है और दूसरा अभिनय के क्षेत्र में है। बताते हैं कि कैप्टन की अरूसा से पहली मुलाकात वर्ष 2004 में पाक दौरे के दौरान हुई थी। फिर उसका भारत आना-जाना लगा रहा। पिछली पारी में कैप्टन के मुख्यमंत्री बनने पर वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल भी हुई। बाकायदा कैप्टन की आत्मकथा ‘द पीपल्स महाराजा’ में उनका उल्लेख है।

गूगल ने स्टैडिया गेम के लिए 30 मिनट का फ्री ट्रायल जोड़ा

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने क्लाउड गेमिंग सर्विस स्टैडिया गेम्स के लिए फ्री ट्रायल सपोर्ट जोड़ा है और इसके लिए स्टैडिया अकाउंट की भी जरूरत नहीं है। 9टु5 गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, गूगल ने वीडियो गेम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म स्टैडिया के लिए अपने विशेष शीर्षक हैलो इंजीनियर के साथ 30 मिनट का फ्री ट्रायल शुरू किया है। यह ऑप्शन खिलाड़ियों को फ्री स्टैडिया प्रो सब्सक्रिप्शन के बिना ट्रायल करने की अनुमति देगा। इसमें एक बार फ्री ट्रायल शुरू करने के बाद, खिलाड़ियों के पास स्टैडिया साइडबार के साथ पूरे गेम तक एक्सेस की अनुमति होगी और इसमें एक उलटी गिनती टाइमर लगा हुआ है, जो ट्रायल के दौरान समय को दिखाएगा। यह एक ऐसा प्रयोग है जो गूगल अगले कुछ महीनों के लिए चला रहा है और आने वाले हफ्तों में यह अन्य चुनिंदा शीर्षकों के लिए उपलब्ध होगा। खेल का अनुभव करने के लिए, सभी खिलाड़ियों को स्टैडिया पर खेल के पेज पर जाना होगा, जहां उन्हें 30 मिनट के निः शुल्क परीक्षण की पेशकश करने वाला एक बटन मिलेगा। इसके अलावा, गूगल के पास अन्य निः शुल्क परीक्षणों के लिए एक समर्पित वेबपेज भी है जो वह आने वाले समय में पेश कर सकता है। इससे पहले, स्टैडिया ने घोषणा की थी कि वह अपना पहला स्ट्रैटिजी गेम लॉन्च कर रही है जो नियंत्रक के बजाय टच करने के लिए प्रतिक्रिया करता है। ह्यूमनकाइंड नाम का यह गेम मोबाइल के लिए स्टैडिया में एक नया डायरेक्ट टच कंट्रोल मेथड पेश करेगा। 4एक्स टर्न-बेस्ड स्ट्रैटेजी गेम्स की शैली में ह्यूमनकाइंड की रिलीज के साथ, स्टेडिया गेम्स को कंट्रोलर करने का एक बिल्कुल नया तरीका शुरू कर रहा है।एक कंट्रोलर पर निर्भर होने के बजाय, एंड्रॉइड पर खिलाड़ी डायरेक्ट टच का लाभ उठा सकते हैं, जो आपके ऑन-स्क्रीन टैप को आपके गेम में भेजता है।

बाल शोषण पर फेसबुक की प्रतिक्रिया अपर्याप्त: व्हिसलब्लोअर

सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक के एक पूर्व कर्मचारी ने अमेरिकी अधिकारियों से कहा है कि मंच से बाल शोषण सामग्री को हटाने के कंपनी के प्रयास अपर्याप्त और अधूरे थे। ये आरोप बीबीसी समाचार द्वारा देखे गए दस्तावेजों में निहित हैं और दो सप्ताह पहले अमेरिकी सिक्योरिटीज और विनिमय आयोग (एसईसी) को प्रस्तुत किए गए थे। गुमनाम व्हिसलब्लोअर का कहना है कि मॉडरेटर्स पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं हैं और खराब तरीके से तैयार हैं। टेक दिग्गज ने एक बयान में कहा, बच्चों के साथ इस घिनौने दुर्व्यवहार के प्रति हमारी कोई सहनशीलता नहीं है और इसका मुकाबला करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं। हमने इस भयानक अपराध की जांच करने, बच्चों को बचाने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए उद्योग द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपकरणों को बनाने में मदद की है। बीबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि उसने यह भी कहा कि उसने अन्य कंपनियों के साथ अपनी दुरुपयोग विरोधी तकनीकों को साझा किया है। इस महीने की शुरुआत में पूर्व अंदरूनी सूत्र फ्रांसेस हॉगेन ने अमेरिकी कांग्रेस को बताया था कि फेसबुक के प्लेटफॉर्म से खुलासे हुए हैं कि बच्चों को नुकसान पहुंचाते हैं, विभाजन को भड़काते हैं और हमारे लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाते है। इस हफ्ते उन्होंने प्रस्तावित ऑनलाइन सुरक्षा विधेयक की जांच कर रही यूके की संसदीय समिति को भी सबूत दिए। फेसबुक, ट्विटर, गूगल, यूट्यूब और टिकटॉक के वरिष्ठ अधिकारी भी सबूत देने वाले हैं।नए खुलासे एक अज्ञात व्हिसलब्लोअर से आते हैं, जिसमें हानिकारक सामग्री को रोकने के लिए फेसबुक के भीतर टीमों के अंदर की जानकारी होती है।

facebook

रेल मंत्रालय द्वारा शुल्क निर्णय वापस लिए जाने के बाद आईआरसीटीसी के शेयर में हुआ सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रेल मंत्रालय ने ट्रेन टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग पर आईआरसीटीसी द्वारा अर्जित सुविधा शुल्क को साझा करने के अपने फैसले को वापस लेने का फैसला किया है। डीआईपीएएम सचिव तुहिन कांता पांडे ने शुक्रवार को ट्वीट किया, रेल मंत्रालय ने आईआरसीटीसी सुविधा शुल्क पर फैसला वापस लेने का फैसला किया है। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, यह आईआरसीटीसी के लिए एक रोलर-कोस्टर की सवारी थी, जहां रात भर की खबर के बाद शुक्रवार की सुबह के सत्र में यह लगभग 25 प्रतिशत गिर गया। सरकार ने कंपनी को इंटरनेट बुकिंग से अपने सुविधा शुल्क का आधा हिस्सा इसके साथ साझा करने के लिए कहा, लेकिन हमने देखा कि सुबह 11 बजे के आसपास इस फैसले को उलट दिया गया, जिसके कारण काउंटर पर शॉर्ट कवरिंग हुई।

आईआरसीटीसी सुबह के निचले स्तर से उबरने के दौरान करीब 6 फीसदी की गिरावट के साथ 859.25 रुपये पर कारोबार कर रहा था। मीणा ने कहा, आने वाले दिनों में स्टॉक बगल में रहेगा, जहां ऊपर की ओर 1000 के स्तर पर कैप किया जाएगा और नीचे की ओर 700 के स्तर से बचाव किया जाएगा। रोलर-कोस्टर की सवारी ने विकल्प आईवीज में तेज वृद्धि की। यानी, ओटीएम विकल्पों का मूल्य, इसलिए विकल्प लेखक और आर्ब्रिटेजर्स इसे एक सुनहरे अवसर के रूप में देख रहे हैं क्योंकि अनिश्चितता खिड़की से बाहर है। ऑप्शन राईटर नवंबर के लिए इस काउंटर-रेंज-बाउंड को रखने का प्रयास कर सकता है।

केएफसी, पिज्जा हट की संचालक सैफायर फूड्स का आईपीओ नौ नवंबर को खुलेगा

बिजनेस डेस्क: केएफसी और पिज्जा हट रेस्तरां चलाने वाली सैफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) नौ नवंबर को खुलेगा। कंपनी की विवरण पुस्तिका (आरएचपी) के अनुसार तीन दिन तक चलने वाला आईपीओ 11 नवंबर को बंद होगा। आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा, जिसके तहत कंपनी के प्रवर्तकों और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 17,569,941 इक्विटी शेयर की पेशकश की जाएगी। बाजार सूत्रों के मुताबिक आईपीओ से 1,500-2,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। सैफायर फूड्स को समारा कैपिटल, गोल्डमैन सैक्स, सीएक्स पार्टनर्स और एडलवाइस जैसे प्रमुख निवेशकों का समर्थन हासिल है। सैफायर फूड्स के 31 मार्च 2021 तक भारत और मालदीव में 204 केएफसी रेस्तरां और भारत, श्रीलंका और मालदीव में 231 पिज्जा हट रेस्तरां थे।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना
मेरा खाता भाग्य विधाता
Prime Minister's Jan Dhan Yojana

पीएम जन धन योजना के तहत बैंक खातों की संख्या बढ़कर 44 करोड़ हुई

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत अक्टूबर 2021 तक सात साल से अधिक समय में बैंक खातों की संख्या बढ़कर 44 करोड़ हो गयी है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2014 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में इस योजना की घोषणा की थी। वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने के लिए 28 अगस्त, 2014 को इसे शुरू किया गया था। यह राष्ट्रीय मिशन यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया था कि लोगों के पास बैंक, पैसा भेजने की सुविधा, ऋण, बीमा, पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं तक आसानी से पहुंच हो। आर्थिक मामलों के विभाग की आर्थिक सलाहकार मनीषा सेन शर्मा ने उद्योग मंडल एसोचैम के एक कार्यक्रम में कहा कि पीएम जन धन योजना को उसकी शुरुआत के बाद से अपार सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2021 तक, लगभग 44 करोड़ लाभार्थियों को बैंकों से जोड़ा गया है और इस योजना के माध्यम से सरकार आबादी के वंचित वर्ग से उनके बैंक खातों में पैसे जमा कराने में सफल रही है।

सेंसेक्स ने लगाया 678 अंक का गोता, निफ्टी 17,700 के नीचे बंद

मुंबई (एजेंसी)

बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 678 अंक का गोता लगा गया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक में गिरावट से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 677.77 अंक यानी 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,306.93 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 185.60 अंक यानी 1.04 प्रतिशत लुढ़क कर 17,671.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में रहा। इसके अलावा, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में मुख्य रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में अल्ट्राट्रेक सीमेंट, टाटा स्टील, मारुति, टाइटन और डा. रेड्डीज शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर कमजोर धारणा के बीच घरेलू बाजार में बिकवाली दबाव बना हुआ है। खासकर ऊर्जा और निजी बैंक के शेयरों पर दबाव जारी है।'' उन्होंने कहा कि यूरोपीय केंद्रीय बैंक ने मुद्रास्फीति दबाव के बावजूद नीतिगत दर को यथावत रखने का निर्णय किया। इसके बाद भी यूरोपीय बाजारों में शुरूआत कमजोर रही।

नायर के अनुसार अगले सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व का निर्णय महत्वपूर्ण होगा। इससे वैश्विक शेयर बाजारों को दिशा मिलेगी।एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई कंपोजिट इंडेक्स और जापान का निक्की लाभ में रहें जबकि हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहें।यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83.85 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

एप्पल ने 2021 में भारतीय बाजार में दोगुनी हिस्सेदारी हासिल की : टिम कुक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने घोषणा की है कि आपूर्ति की कमी के बावजूद, एप्पल ने 30 सितंबर को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में अपनी भारतीय बाजार में दोगुना हिस्सेदारी हासिल की है। एप्पल ने अनुमान लगाया है कि आपूर्ति के बाद लगभग 6 बिलियन डॉलर का रेवेन्यू का प्रभाव था, जो मुख्य रूप से उद्योग-व्यापी सिलिकॉन की कमी और कोविड से संबंधित विनिर्माण व्यवधानों से प्रेरित था। कुक ने विश्लेषकों के साथ एक अर्निंग कॉल के दौरान कहा, हमने मैक के ऑल-टाईम रिकॉर्ड और आईफोन, आईपैड, वेयरेबल्स, होम और एक्सेसरीज के लिए तिमाही रिकॉर्ड उत्पादों में सालाना 30 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2021 के दौरान, हमने उभरते बाजारों में अपने रेवेन्यू का लगभग एक-तिहाई कमाया है और भारत और वियतनाम में अपने कारोबार को दोगुना किया है।आईफोन 11 और आईफोन 12 के शानदार प्रदर्शन के साथ एप्पल ने भारत में जुलाई-सितंबर में 150 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। साथ ही देश में 1.53 मिलियन यूनिट से अधिक की शिपिंग भी की है।मार्केट रिसर्च फर्म साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के अनुसार, आईपैड ने भी 109 प्रतिशत (ऑन-क्वार्टर) की वृद्धि में भारी उछाल दर्ज किया है और देश में इसी अवधि में लगभग 0.24 मिलियन यूनिट्स को शिप किया गया। एप्पल 212 प्रतिशत (इस साल) वृद्धि के साथ तीसरी तिमाही में सबसे अधिक वृद्धि करने वाला ब्रांड रहा और कंपनी ने प्रभावशाली 44 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ प्रीमियम स्मार्टफोन बाजार (30,000 रुपये और उससे अधिक) का नेतृत्व किया। त्योहारी सीजन का पूरा असर अगली तिमाही में दिखेगा और विशेषज्ञों का मानना है कि आईफोन 12 पोर्टफोलियो में आगे चल सकता है। आईफोन निर्माता ने भारत में 74 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट (45,000 रुपये और उससे अधिक) में अपनी अग्रणी स्थान को बनाए रखा है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का कार्यकाल बढ़ाया गया

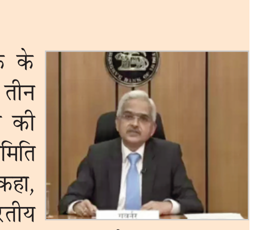

मुंबई। केंद्र ने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का कार्यकाल तीन साल के लिए और बढ़ा दिया है। दास की पुनर्नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने मंजूरी दी है। एक आदेश में उन्होंने कहा, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में श्री शक्तिकांत दास को सेवानिवृत्त के बाद उनकी पुनर्नियुक्ति को 10 दिसंबर 2021 से तीन साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक के लिए मंजूरी दे दी है। विशेष रूप से, दास को कोरोना महामारी के लिए भारत की मौद्रिक नीति प्रतिक्रिया को चलाने का श्रेय दिया गया है। इसके अलावा, उद्योग पर्यवेक्षकों ने उन्हें महामारी के आर्थिक प्रभाव को कम करने के लिए नीतिगत उपायों को तेजी से लागू करने का श्रेय दिया। पूर्व वरिष्ठ नौकरशाह ने 12 दिसंबर, 2018 से रिजर्व बैंक के 25वें गवर्नर के रूप में पदभार ग्रहण किया। प्रमुख शासन विभागों को संभालते हुए, दास ने 15वें वित्त आयोग के सदस्य और भारत के जी20 शेरपा के रूप में भी काम किया।

अमेजन के मार्च तिमाही में लेबर, सप्लाई की कमी से शेयरों में आई गिरावट

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

अमेजन लेबर सप्लाई की कमी, बढ़ी हुई मजदूरी लागत और ग्लोबल सप्लाई चैन के मुद्दे से बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप तीसरी तिमाही में शुद्ध आय घटकर 3.2 बिलियन डॉलर हो गई है। इसके साथ ही कंपनी के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने एक बयान में कहा कि चौथी तिमाही में, कंपनी को अपने उपभोक्ता व्यवसाय में कई अरब डॉलर की अतिरिक्त लागत खर्च करने की उम्मीद है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेजन लेबर आपूर्ति की कमी, बढ़ी हुई मजदूरी लागत, ग्लोबल सप्लाई चैन के मुद्दों और शिपिंग लागत से जूझ रहा है। इन छुट्टियों के मौसम में ग्राहकों और बिक्री भागीदारों पर प्रभाव को कम करने के लिए कंपनी इस पर काम कर रही है। अमेजन ने सितंबर तिमाही में 110.81 बिलियन डॉलर (111.6 बिलियन डॉलर की उम्मीद) का रेवेन्यू दर्ज किया। चौथी तिमाही के लिए, अमेजन ने 130 बिलियन डॉलर और 140 बिलियन डॉलर के बीच बिक्री का अनुमान लगाया गया है, जिसके तहत 4 प्रतिशत से 12 प्रतिशत तक की वृद्धि का दर्ज करने की उम्मीद है।कंपनी के एसवीपी और मुख्य वित्तीय अधिकारी ब्रायन टी ओल्साव्स्की ने कहा, चौथी तिमाही के लिए हमारा रेवेन्यू मार्गदर्शन वर्तमान रुझानों को दर्शाता है जो हम देख रहे हैं। हम कई अन्य कंपनियों की तरह लेबर की कमी और सप्लाई चैन में सुधार कर रहे हैं।

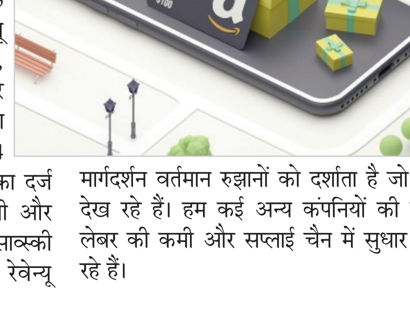

कंपनियों के क्लाउड यात्रा में तेजी लाने से एडब्ल्यूएस की बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेजॅन की क्लाउड शाखा अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) का सितंबर तिमाही में रेवेन्यू 39 प्रतिशत बढ़कर 16.11 अरब डॉलर हो गया है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि सभी आकार और सभी उद्योगों के ग्राहक मशीन लर्निंग सेवाओं के लिए पसंदीदा क्लाउड प्रदाता के रूप में एडब्ल्यूएस का उपयोग कर रहे हैं। एडब्ल्यूएस ने जुलाई-सितंबर की अवधि में परिचालन आय में 4.88 बिलियन डॉलर का उत्पादन किया। एसवीपी और मुख्य वित्तीय अधिकारी ब्रायन टी ओल्साव्स्की ने कहा, एडब्ल्यूएस के राजस्व वृद्धि में फिर से तेजी देखी गई है क्योंकि ग्राहकों ने क्लाउड के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का विस्तार किया है और एडब्ल्यूएस को अपने क्लाउड पार्टनर के रूप में चुना है।बहुत सारे ग्राहक महामारी के आधार पर क्लाउड में अपनी यात्रा को तेज कर रहे हैं। ओल्साव्स्की ने गुरुवार की देर रात कंपनी की अर्निंग कॉल में कहा, हम अपने ग्राहक आधार को कई अलग-अलग क्षेत्रों में विस्तारित कर रहे हैं। कई नए उत्पादों ने हमारे कुछ मशीन लर्निंग उत्पादों पर प्रकाश डाला है। इसलिए हम विकास में तेजी के बारे में वास्तव में अच्छा महसूस कर रहे हैं।पहली बार, अमेजन सेवाओं की बिक्री ने अपनी खुदरा बिक्री को पार कर लिया है। जबकि शुद्ध उत्पाद की बिक्री 54.9 बिलियन डॉलर थी। एडब्ल्यूएस, विज्ञापन, तृतीय-पक्ष विक्रेता सेवाओं और प्राइम सब्सक्रिप्शन से राजस्व 55.9 बिलियन डॉलर था।

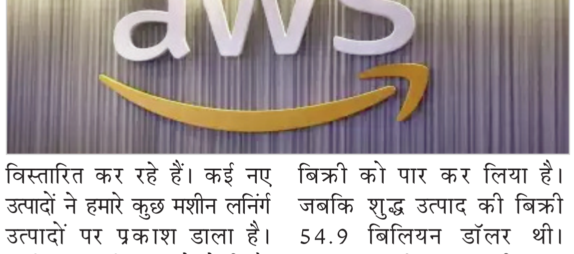

निकॉन ने भारत में लॉन्च किया नया फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जापानी इमेजिंग दिग्गज निकॉन ने शुक्रवार को भारतीय बाजार में एक फुल-फ्रेम (निकॉन एफएक्स-फॉर्मेट) जेड सीरीज मिररलेस कैमरा निकॉन जेड 9 लॉन्च किया। नया जेड9 बॉडी केवल भारत में निकॉन अधिकृत स्टोर पर बिक्री के लिए नवंबर 2021 के अंत से 4,75,995 रुपये में उपलब्ध होगा।कंपनी के मुताबिक, कंपनी के अनुसार, जेड9 में मिररलेस कैमरों के बीच एक साथ सब्जेक्ट डिटेक्शन की दुनिया की सबसे बड़ी वैरायटी है, जिसमें मजबूत ऑटोफोकस (एएफ) की पेशकश और ब्लैकआउट पीरियड के बिना रियल-लाइव व्यूफाइंडर शामिल हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, यूजर्स इसे लोकेशन शूट के लिए सबसे प्रैक्टिकल कैमरा बनाने के लिए 125 मिनट तक शानदार 8के इन-कैमरा रिकॉर्डिंग के साथ शूटिंग का आनंद ले सकते हैं। कैमरा स्टेबल इमेज शूटिंग के लिए 3डी-ट्रैकिंग के साथ आता है। निकॉन मिररलेस कैमरों में यह पहली बार की सुविधा की अनुमति देता है। साथ ही, उपयोगकताओं को सबसे तेज स्प्रिंटर्स से लेकर रेसिंग कारों तक स्प्लिट-सेकंड मोमेंट्स को मूल रूप से कैप्चर करने और उन्हें प्रभावी ढंग से ट्रैक करने के लिए अनुमति देता है।

जेड9 कैमरा जेपीईजी या रॉ फॉर्मेट में 1,000 से अधिक फ्रेम कैप्चर करने के लिए लगातार 20एफपीएस पर शूट कर सकते हैं। हायर रिजॉल्यूशन के साथ जेड9 हाई-क्वालिटी वाले 8के30पी और 4के/30पी/60पी/120पी में इन-कैमरा वीडियो रिकॉर्डिंग प्रदान करता है। स्लो मोशन में रिकॉर्डिंग करते समय भी यूजर्स कई फॉर्मेट में उपलब्ध 24पी से 120पी तक फ्रेम आकार / फ्रेम दर की एक वाइट रेंज के साथ 4के में रिकॉर्ड कर सकते हैं।

शाओमी ने वैश्विक स्तर पर 240 मिलियन से अधिक रेडमी नोट फोन बेचे

बीजिंग (एजेंसी)।

चीनी टेक दिग्गज शाओमी ने घोषणा की है कि रेडमी नोट सीरीज के स्मार्टफोन की बिक्री वैश्विक स्तर पर 240 मिलियन से अधिक हो गई है। जीएसएमअरेना के अनुसार, यह पिछले साल नवंबर में 140 मिलियन और 2019 के अक्टूबर में 100 मिलियन था। पिछले 5 महीनों में शाओमी 40 मिलियन यूनिट बेचने में कामयाब रहा, जिसका मतलब औसतन 8 मिलियन प्रति माह है। इस जानकारी का खुलासा रेडमी के महाप्रबंधक लू वेइबिंग ने लेटेस्ट नोट सीरीज- रेडमी नोट 11 सीरीज के लॉन्च के दौरान किया। रेडमी नोट 11 सीरीज रेडमी नोट 11, नोट 11 प्रो और नोट 11 प्रो प्लस से बनी है। दोनों प्रो मॉडल कुछ अंतरों को छोड़कर लगभग समान विनिर्देशों के साथ आते हैं।

वे दोनों एक मीडियाटेक डाइमेंशन 920 5जी चिपसेट द्वारा संचालित हैं, जो 5जी को सपोर्ट करता है। नई लाइनअप को रेडमी नोट 10 सीरीज के कई अपग्रेड के साथ लॉन्च किया गया है जैसे कि 120वॉट तक फास्ट चार्जिंग सपोर्ट और 108एमपी का मुख्य कैमरा दिया गया है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी ब्रांडों ने तीसरी तिमाही में भारतीय स्मार्टफोन बाजार में 74 प्रतिशत हिस्सेदारी पर कब्जा कर लिया, क्योंकि कुल शिपमेंट 2 प्रतिशत (ऑन-ईयर) घटकर 52 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया। शाओमी ने 22 प्रतिशत शिपमेंट शेयर के साथ बाजार का नेतृत्व किया है जबकि सैमसंग ने 19 प्रतिशत शेयर के साथ दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया। सैमसंग ने 25 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ मध्य-से-उच्च-स्तरीय मूल्य खंड (10,000-30,000 रुपये) का नेतृत्व किया, जबकि वनप्लस ने भारत में अपना अब तक का सबसे अधिक शिपमेंट दर्ज किया (इसकी नॉर्ड श्रृंखला संचयी शिपमेंट 3 मिलियन यूनिट को पार कर गई) है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी 20 विश्व कप: चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड को मिलेगी पहली बड़ी चुनौती

दुबई। (एजेंसी)।

खिताब के प्रबल दावेदार इंग्लैंड की टीम मौजूदा टी20 विश्व कप में शनिवार को यहां सुपर 12 चरण के ग्रुप एक के मुकाबले में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उम्मीद है कि टूर्नामेंट में उसे पहली बार कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। दोनो ही टीमें इस मुकाबले में दो-दो जीत के साथ पहुंचेंगी ऐसे में इस मुश्किल माने जाने वाले ग्रुप में यह वर्चस्व कायम करने का भी मुकाबला होगा। ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप के पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था लेकिन टीम ने गुरुवार को श्रीलंका पर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

श्रीलंका के खिलाफ मैच में उनके लिए सबसे सकारात्मक बात यह रही कि लंबे समय से संघर्ष कर रहे कप्तान आरोन फिंच और डेविड वार्नर की सलामी बल्लेबाजों की जोड़ी लय में लौट आयी है। आक्रामक अर्धशतक से टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले वार्नर ने भी माना कि इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला कड़ा होगा। उन्होंने कहा श्रीलंका के खिलाफ मैच के संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' जाहिर तौर पर वह (इंग्लैंड) ऐसी टीम है जो हर विभाग में अच्छी है। उनका बल्लेबाजी क्रम लंबा हैं और गेंदबाजी में उसके पास कई विकल्प हैं। इंग्लैंड का आत्मविश्वास भी काफी बढ़ा हुआ है। '' ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस की तेज गेंदबाजी की तिकड़ी के साथ लेग स्पिनर एडम जम्पा अब तक पूरी तरह से उम्मीदों पर खरे उतरे है।

श्रीलंका ने इस टीम के खिलाफ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन जम्पा ने बीच के ओवरों में दो विकेट निकालकर खेल के रूख को मोड़ दिया। उनके लिए इस विभाग में चिंता का एकमात्र कारण

ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस का गेंदबाजी प्रदर्शन होगा जिन्होंने गुरुवार को चार ओवर में 51 रन लुटाए। दूसरी ओर, इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज और बांग्लादेश पर बड़ी जीत के साथ इस मैच में पहुंचेगी। इन दोनों मैचों में टीम को ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया से हालांकि उन्हें बहुत कठिन चुनौती मिलने की संभावना है। इन दोनों मैचों गेंदबाजी का आगाज करने वाले ऑफ स्पिनर मोईन अली प्रभावशाली रहे हैं और उनके नाम टूर्नामेंट में चार विकेट हैं। तेज गेंदबाजी में टाइमल मिल्स ने प्रभावित किया है और अंतिम ओवरों में शानदार रहे हैं। लेग स्पिनर आदिल राशिद बांग्लादेश के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी नहीं कर सके थे, लेकिन उम्मीद है कि वह शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को परेशान करेंगे। श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद वार्नर ने कहा कि दूसरी पारी में बहुत ज्यादा ओस नहीं थी लेकिन अब तक ज्यादातर टीमों ने टूर्नामेंट में लक्ष्य का पीछा करना पसंद किया है।

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस बोले- टी20 गेंदबाजी पर की है मेहनत , विश्व कप था मुख्य लक्ष्य

दुबई। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने शुक्रवार को कहा कि पिछले चार पांच महीने में टी20 गेंदबाजी पर की गई मेहनत से उन्हें विश्व कप में फायदा मिल रहा है जो पिछले कुछ समय से उनका मुख्य लक्ष्य था। 28 वर्ष के कमिंस अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण आईपीएल का यूएई चरण नहीं खेले। टी20 विश्व कप से पूर्व अभ्यास मैचों में उन्हें विकेट नहीं मिला लेकिन दो मैचों में तीन विकेट ले चुके हैं। दुनिया के नंबर एक टेस्ट गेंदबाज ने राहत जताई कि पिछले कुछ महीने में की गई कड़ी मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा ,'' बिल्कुल यह थोड़ी राहत की बात है। पिछले चार पांच महीने से मैं इसी पर फोकस करके मेहनत कर रहा था। मैने टी20 गेंदबाजी पर काफी मेहनत की है।'' इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पूर्व उन्होंने कहा ,''पिछले साल भी हालात ऐसे ही बने थे जब बड़े ब्रेक के बाद हमने इंग्लैंड में टी20 और वनडे मैच खेले। इस बार मुझे पता था कि मुझे यहां आने से पहले क्या करना है। मैं अपनी गेंदबाजी से खुश हूं।'' विश्व कप के बाद दोनों टीमों के बीच एशेज श्रृंखला खेली जानी है और इंग्लैंड की टी20 टीम के पांच सदस्य एशेज टीम का भी हिस्सा हैं। कमिंस ने कहा ,'' हम इंग्लैंड से काफी खेलते हैं और हमारी शैली भी लगभग एक सी है। पिछले कुछ साल से सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। हमें पता है कि सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये यह बड़ा मैच है। हमें इंग्लैंड से खेलने में हमेशा मजा आता है।

3 लगातार हार के बाद बांग्लादेश टी-20 विश्वकप से बाहर, वेस्टइंडीज जीता 3 रनों से

दुबई (एजेंसी)।

बांग्लादेश के लिए टूर्नामेंट का पहला दिन जैसा गुजरा था उससे पता चल गया था कि वह इस टी-20 विश्वकप में खास करिशमा नहीं कर पाएगी। बांग्लादेश आज वेस्टइंडीज से 3 रनों से हार गया और इस टी-20 विश्वकप से बाहर हो गया। इससे पहले वाले मुकाबलों में बांग्लादेश पहले श्रीलंका से 6 विकेट और फिर इंग्लैंड से 8 विकेट से मैच गंवा चुका था।

रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम को साई केंद्र की बहुत आवश्यकता है: रितिन खन्ना

जालंधर। (एजेंसी)।

रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम में स्पोर्ट्सअथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) का केंद्र खोलने की मांग को लेकर आज केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर से जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव एवं पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी रितिन खन्ना ने मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान रितिन खन्ना ने एक आग्रह पत्र भी सौंपा जिसमें इस बात को प्रमुखता से उठाया गया कि जालंधर के रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम को साई केंद्र की बहुत आवश्यकता है क्योंकि ये सेंटर उत्तर भारत के युवा बैडमिंटन खिलाडियों के उज्वल भविष्य में सहायक साबित होगा। मुलाकात के दौरान खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हंसराज स्टेडियम में साई सेंटर खोलने की मांग पर केंद्रीय खेल मंत्रालय गंभीरता से विचार करेगा। उन्होंने इस बात की खुशी जताई कि रितिन खन्ना जोकि एक पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं, वह बैडमिंटन खेल के विकास के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं और 2 साल में इन्होंने जो हंसराज स्टेडियम में विकास कार्य करवाए हैं वे भी काबिलेतारीफ हैं। रितिन खन्ना द्वारा अनुराग ठाकुर को सौंपे गए पत्र में बताया गया है कि वर्तमान में हंसराज स्टेडियम में स्थापित ओलंपियन दीपांकर भट्टाचार्जी एकेडमी में विभिन्न आयु वर्ग के 150 से 200 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। स्टेडियम में हॉस्टल सुविधा भी है और बैडमिंटन हॉल में पांच सिंथेटिक कोर्ट भी लगाए गए हैं। इसके अलावा स्टेडियम में स्पोर्ट्स कैंटीन, जिम्नेजियम, योगा एवं एरोबिक्स सेंटर भी हैं। इसी के साथ रितिन खन्ना ने खिलाडियों से जुड़ा सबसे अहम तथ्य उठाते हुए बताया कि उत्तर भारत के बहुत-से बैडमिंटन खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते जिसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि यहां के खिलाडियों को पेशेवर अकादमियों में ट्रेनिंग लेने के लिए दक्षिण भारत (बेंगलुरू एवं हैदराबाद) में जाना पड़ता है।

टी20 विश्व कप 2021 : टीम इंडिया के लिए अब करो या मरो का मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी20 विश्व कप 2021 में टीम इंडिया और न्यूजीलैंड का आमना सामना होने में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है. भारत और न्यूजीलैंड के बीच 31 अक्टूबर को मैच होगा. ये मैच उसी दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम पर होगा, जहां भारत और पाकिस्तान का मैच हुआ था और टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था. टीम इंडिया अपना पहला मैच हार चुकी है और अब उस पर सेमीफाइनल में न पहुंच पाने का भी दबाव है. वहीं न्यूजीलैंड को भी अपने पहले मैच में पाकिस्तान से हार मिली है, इसलिए दोनों टीमें एक ही जगह खड़ी हुई हैं. यानी दोनों टीमों के लिए ये करो या मरो का मैच होगा.

भारतीय टीम की बात करें तो आईसीसी की प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम न्यूजीलैंड से काफी पीछे है. केवल दो ही बार ऐसा हुआ है, जब टीम इंडिया न्यूजीलैंड को हरा पाई है, बाकी हर बार हार ही मिली है. पिछली बार साल 2003 के विश्व कप में ऐसा हुआ था, जब भारत ने न्यूजीलैंड को हराया था, इसके बाद से जीत का इंतजार किया जा रहा है. आपको याद ही होगा कि साल 2019 के विश्व कप के सेमीफाइनल में भी न्यूजीलैंड ने भारत को हराया था और उसी के साथ टीम इंडिया का खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया था.

अब टीम इंडिया पूरी तरह से तैयार है. पाकिस्तान की टीम से हार के बाद भारतीय टीम नए उत्साह के साथ दोबारा से मैदान में उतरने जा रही है. भारतीय टीम लगातार प्रैक्टिस कर रही है और हर हाल में जीतने के लिए मैदान में उतरेगी. कप्तान विराट कोहली तो अपनी ओर से कोशिश कर ही रहे हैं, वहीं टीम इंडिया के मेंटॉर और पूर्व कप्तान एमएस धोनी भी खिलाड़ियों को टिप्स दे रहे हैं. एमएस धोनी को बतौर मेंटॉर पहले ही मैच में हार मिली थी और वे नहीं चाहेंगे कि दूसरे मैच में भी हार मिले. इस हार के बाद टीम इंडिया की आगे जाने की संभावना खत्म हो जाएगी. इसलिए ये मैच जीतना ही होगा.

डीडीसीए अध्यक्ष बने रहेंगे रोहन जेटली, सचिव पद पर सिद्धार्थ वर्मा काबिज

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रोहन जेटली वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह को बड़े अंतर से हराकर फिर से दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष चुने गये जबकि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के छोटे बेटे और प्रथम श्रेणी क्रिकेटर सिद्धार्थ वर्मा ने सचिव पद हासिल किया। सिद्धार्थ ने सचिव पद के चुनाव में भ्रष्टाचार के दागी विनोद तिहाड़ा को हराया। मतगणना गुरुवार देर रात संपन्न हुई। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर गौतम गंभीर के मामा पवन गुलाटी डीडीसीए के नये कोषाध्यक्ष होंगे। बीसीसीआई के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष सी के खन्ना की पत्नी शशि खन्ना ने अपना उपाध्यक्ष पद बरकरार रखा। अध्यक्ष पद के लिये जेटली को 1658 जबकि सिंह को 662 मत मिले।

यह दूसरा अवसर है जबकि सिंह को अध्यक्ष पद के चुनाव में करारी हार झेलनी पड़ी। पिछली बार वह वरिष्ठ पत्रकार रजत सिंह से हार गये थे। हालांकि सबसे बड़ा उलटफेर वर्मा ने किया जो एक स्वतंत्र उम्मीद्वार के तौर पर मैदान में थे और उन्होंने तिहाड़ा को 618 मतों से हराया। वर्मा को 1322 मत जबकि तिहाड़ा को 704 मत मिले। एक अन्य दागी उम्मीद्वार राकेश बंसल भी सचिव पद की दौड़ में थे लेकिन वह 248 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे। राकेश बीसीसीआई के पूर्व उपाध्यक्ष स्नेह बंसल के छोटे भाई हैं।

डीडीसीए के पूर्व चयनकर्ता और बीसीसीआई उप समिति के सदस्य वर्मा ने पीटीआई से कहा, ''मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर बड़ी जीत है। मैं रोहन को अपना पूरा सहयोग देना चाहता हूं और दिल्ली क्रिकेट की बेहतरी के लिये काम करना चाहता हूं। मैं एक क्रिकेटर रहा हूं और इस खेल के लिये काम करना मेरी प्राथमिकता होगी। पता चला है कि तिहाड़ा और उनके समर्थकों को जब अपनी हार सुनिश्चित लगने लगी तो वह फिरोजशाह कोटला परिसर से चले गये थे।

पहली महिला भारतीय क्रिकेटर, जिन्हें मिलेगा खेलों का सर्वोच्च सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेटर की कप्तान मिताली राज को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि, बीसीसीआई ने इस अवॉर्ड के लिए मिथाली के नाम की सिफारिश की थी। मिताली ने 26 जून, 1999 को भारत में पदार्पण किया था। उन्होंने अब तक अपने करियर में 11 टेस्ट, 215 एकदिवसीय और 89 टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने आठ शतक और 77 अर्धशतक सहित सभी प्रारूपों में संयुक्त रूप से 10,203 रन बनाए हैं। मिताली राज समेत देश का मान बढ़ाने वाले 11 खिलाड़ियों को इस साल खेल रत्न दिया जाएगा।चयन समिति ने अर्जुन पुरस्कार के लिए भी 35 खिलाड़ियों को नामित किया। खेल रत्न पुरस्कार के लिए ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का नाम भी शामिल है।

मिताली राज को रन मशीन के नाम से जाना जाता है। उन्होंने टी-20, वनडे समेत क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में 20 हजार रन बनाकर इतिहास रचा है। घरेलू क्रिकेट में मिताली ने करीब 10 हजार रन और इंटरनेशनल क्रिकेट में 318 मैचों के 10,400 रन बनाया है। ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के खिलाफ पहले वनडे में मिताली ने 107 गेंदों में 61 रन की पारी खेलकर 20 हजार रन तक पहुंचाने का लक्ष्य हासिल किया था और ऐसा करने वाली मिताली दुनिया की पहली क्रिकेटर बनी। बता दें कि, मिताली भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान क्रिकेट के लिए खेलरत्न से सम्मानित होने वाली पहली महिला बन गई है।

पाकिस्तान जाने पर न्यूज़ीलैंड ने ये क्या बोल दिया!

नई दिल्ली। बीते सितंबर महीने में न्यूज़ीलैंड क्रिकेट टीम और पाकिस्तान काफी न्यूज में रहे. जी. आप समझ ही गए होंगे. हम बात कर रहे हैं पाकिस्तान के टूर की. जिसमें न्यूज़ीलैंड क्रिकेट टीम वापस लौट आई थी. साथ ही दे गई पाकिस्तान को काफी ज्यादा दर्द और बेइज्जती. न्यूज़ीलैंड को देखकर इंग्लैंड ने भी वही काम किया. बस अंतर इतना ही था कि न्यूज़ीलैंड पाकिस्तान जाकर वापस आई थी और वहीं इंग्लैंड ने जाने से ही मना कर दिया था. पाकिस्तान की इमेज इससे काफी खराब हुई थी. इमेज इतनी खराब हुई थी कि पीसीबी चीफ रमीज़ राजा ने कहा था कि पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप में न्यूज़ीलैंड और इंग्लैंड को हराकर ही चैन लेंगे. साथ ही पाकिस्तान की ये हसरत आधी पूरी हो गई है. मतलब पाकिस्तान ने तो न्यूज़ीलैंड को हरा दिया है. आज हम आपसे ये बात क्यों कर रहे हैं. दरअसल न्यूज़ीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने पाकिस्तान टूर पर बोला है. विलियमसन ने कहा है कि हम समझ सकते हैं कि पाकिस्तानी फैन्स और पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के लिए ये किसी सदमें से कम नहीं था. लेकिन हम भी मजबूर थे. सीरीज शुरु होने से पहले हम सभी खुश थे. लेकिन जो सोचा था, वो हो नहीं पाया. न्यूज़ीलैंड के उस फैसले के बाद सभी पाकिस्तानी गुस्से में थे. साथ ही सोशल मीडिया चैनल्स, पाकिस्तानी मीडिया सभी न्यूज़ीलैंड पर निशाना साध रहे थे. और यही मांग थी कि बेइज्जती का बदला लिया जाए.

विलियमसन आगे कहते हैं कि

पाकिस्तान बहुत कंपटिटिव क्रिकेटिंग देश है. टूर्नामेंट की शुरुआत पाकिस्तान के लिए काफी अच्छा रहा है. मुझे लगता है कि वे इस टूर्नामेंट में अच्छा खेलते रहेंगे. बता दें कि पाकिस्तान ने पहले मैच में इंडिया को 10 विकेट से हराया था और इसके बाद न्यूज़ीलैंड को पांच विकेट से मात दी थी.

श्रेयस अय्यर और दिल्ली कैपिटल्स का छूटेगा साथ, अब कहां जाएंगे!

नई दिल्ली । टी20 विश्व कप 2021 के बीच आईपीएल 2022 की तैयारी की जा रही है. अगले साल का आईपीएल दस टीमों के साथ होगा. यानी दो नई टीमों की एंट्री होगी, वहीं जो आठ टीमें अभी खेल रही हैं, वे खेलती रहेंगी. इस बीच टीमें अपनी अपनी तैयारी में जुट गई हैं. खबरें इस तरह की आ रही हैं कि टीमें अपने ज्यादा से ज्यादा चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकेंगी. अब कुछ कुछ नाम सामने आ रहे हैं कि कौन सी टीम किस खिलाड़ी को रिटेन कर रही हैं और किस खिलाड़ी को रिलीज कर रही है. हालांकि ये भी ध्यान रखना होगा कि खिलाड़ी रिटेन होगा या नहीं, इसका आखिरी फैसला खिलाड़ी को ही करना है, न कि टीम को. अब खबर ये सामने आ रही है कि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहे श्रेयस अय्यर दिल्ली कैपिटल्स का साथ छोड़ सकते हैं. हालांकि खुद श्रेयस अय्यर की ओर से अभी तक कोई बयान सामने नहीं आया है. श्रेयस अय्यर आईपीएल 2020 में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान थे और वे अपनी कप्तानी में टीम को फाइनल तक भी लेकर गए थे. इसके बाद भी वे कप्तान बने रहे. लेकिन आईपीएल 2021 के फेज 1 से पहले जब भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज चल रही थी, तब श्रेयस अय्यर घायल हो गए. पहले वे उस सीरीज से बाहर हुए और उसके बाद आईपीएल 2021 से भी बाहर हो गए. पहले फेज में श्रेयस अय्यर ने अपनी टीम के लिए एक भी मैच नहीं खेला. इसी बीच कोरोना वायरस के कारण आईपीएल रोक देना पड़ा. जब आईपीएल 2021 का दूसरा फेज शुरू हुआ तो श्रेयस अय्यर फिट हो चुके थे और सबसे बड़ा सवाल यही था कि श्रेयस अय्यर को फिर से कप्तान बनाया जाएगा या फिर पहले फेज में ही कप्तानी कर रहे रिषभ पंत ही कप्तान रहेंगे. बाद में दिल्ली कैपिटल्स के मैनेजमेंट की ओर से बयान आया कि रिषभ पंत ही बचे हुए मैचों में कप्तानी करेंगे. बचे हुए मैच में भी रिषभ पंत ने ही कप्तानी की और टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया. जब लीग मैच खत्म हुए तो दिल्ली कैपिटल्स का सफर टॉप पर खत्म हुआ, यानी टीम नंबर एक पर थी.

कैसे करें तोरई का संकर बीज उत्पादन

तोरई एक बेलवाली फसल है, जो जायद तथा खरीफ ऋतु में सफलतापूर्वक देश के कई स्थानों में लगायी जाती है। नर व मादा पुष्प एक ही बेल पर अलग-अलग स्थान पर तथा अलग-अलग समय पर खिलते हैं। नर पुष्प पहले तथा गुच्छों में लगते हैं जबकि मादा पुष्प बेल की पार्श्व शाखाओं पर व अकेले लगते हैं। पुष्प का रंग चमकीला चमकीला पीला एवं आकर्षक होता है। मादा पुष्प के निचले भाग में फल की आकृतियुक्त अण्डाशय होता है जो निषेचन के पश्चात फल का निर्माण करता है। पुष्प सांयकाल में 5 से 8 बजे के दौरान खिलते हैं। पुष्पन के दौरान नर पुष्पों से जीवित व सक्रिय परागकण प्राप्त होते हैं, साथ ही मादा पुष्पों की वर्तिकाग्र निषेचन के लिए अत्यधिक सक्रिय होती है। तुरई मे पर-परागण द्वारा निषेचन होता है जो मुख्यतः मधुमक्खियों द्वारा सम्पन्न होता है।

खेत का चुनाव

संकर बीज उत्पादन के लिए फसल बोने से पूर्व पिछले वर्ष खेत में उगाई गई फसलों की जानकारी पहले से कर लेनी चाहिए। खेत का चुनाव करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि पूर्व में उस खेत में तोरई की फसल नहीं ली गई हो, क्योकि पिछली फसल का बीज खेत में गिर जाता है तथा यह बीज संकर बीज उत्पादन के लिए प्रयुक्त प्रजनकों के बीज के साथ उगकर मादा प्रजनक से पर-परागण करके संकर बीज को दूषित कर देते हैं। मृदा उचित जल निकासयुक्त, जीवांशयुक्त, बलुई दोमट या बलुई होनी चाहिए, जिसका पी.एच. मान 6.5 से 7.0 के मध्य का होना चाहिए।

मौसम का चुनाव :

तोरई के संकर बीज उत्पादन के लिए जायद मौसम की अपेक्षा, खरीफ मौसम अधिक उपयुक्त होता है। खरीफ मौसम में बेलों की वृद्धि, पुष्पन तथा फलन अधिक होता है। खरीफ में बीज की गुणवत्ता व फलत भी अधिक प्राप्त होती है ।

बीज का स्त्रोत:

संकर बीज उत्पादन के लिए दो पैतृक प्रजनको (नर व मादा) के आधारीय बीजों की जरूरत होती है। अतः पैतृक प्रजनको का बीज हमेशा विश्वशनीय संस्थानों जैसे कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य एवं केन्द्रीय अनुसंधान संस्थानों आदि से ही प्राप्त करना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक:

खाद एवं उर्वरक की मात्रा मृदा की उर्वरता पर निर्भर करती है। खेत की अन्तिम जुताई के समय 25 से 30 टन सड़ी-गली गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिलाना चाहिए। नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश की मात्रा क्रमशः 80:60:60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मिलानी चाहिए। नत्रजन की एक तिहाई तथा फास्फोरस व पोटाश की सम्पूर्ण मात्रा अन्तिम जुताई के समय देनी चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो समान भागों में बांटकर बुवाई के 25 से 30 तथा 45 से 50 दिनों के बाद खड़ी फसल में देना चाहिए।

पृथक्करण दूरी:

बीज की आनुवांशिक शुद्धता बनाये रखने के लिए पृथक्करण दूरी बनाये रखना अत्यन्त आवश्यक होता है। अत~ इसके लिए संकर बीज वाली फसल को, तुरई की अन्य प्रजातियों तथा चिकनी तुरई आदि से कम से कम 800-1000 मीटर की पृथक्करण दूरी पर बोना चाहिए।

बीज की मात्रा:

नर व मादा प्रजनकों के लिए बीज की मात्रा अलग-अलग ली जाती हैं। मादा प्रजनक के लिए लगभग 1.75 से 2.00 किलोग्राम एवं नर प्रजनक के लिए लगभग 0.50 किलोग्राम बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होती है।

बीज उपचार एवं बुवाई:

बुवाई करने से पूर्व बीज को थाइरम नामक फफुदनाशी (2 ग्राम दवा प्रति किग्रा. बीज) से उपचारित करना चाहिए। शीघ्र अंकुरण के लिए बीजों को 20 से 24 घंटे तक पानी में भिगोना चाहिए तथा इसके पश्चात् टाट की बोरी के टुकडें में लपेट कर किसी गर्म जगह पर रखना लाभप्रद होता है। बीज की बुवाई नालियों में करनी चाहिए। नाली से नाली के बीच 3 मीटर तथा थाले से थाले के मध्य 80 सेमी. दूरी रखनी चाहिए। नालियाँ 50 सेमी. चौडी व 35 से 45 सेमी. गहरी बनी होनी चाहिए।

नर एवं मादा पौधों का अनुपात:

तुरई में संकर बीज उत्पादन के लिए नर व मादा प्रजनकों को एक निश्चित अनुपात (नर : मादा : 1 : 3) के अनुपात में खेत में बनी नालियों में बुवाई करनी चाहिए। खेत में प्रथम पंक्ति तथा अन्तिम पंक्ति में नर पैतृक जनकों की बुवाई करे जिससे कि पर-परागण के दौरान बीज की आनुवांशिक शुद्धता बनी रहती है।

संकर बीज उत्पादन की विधि :

तुरई में प्राकृतिक रूप से पर-परागण कीट पतंगों के माध्यम से होता है अतः संकर बीज उत्पादन की मुख्यतः दो विधियाँ अपनायी जाती है।

1. हाथ द्वारा कृत्रिम निषेचन करके : यह विधि पर्याप्त प्रथक्करण दूरी उपलब्ध न होने की दशा में अपनाई जाती है। इस विधि में मादा प्रजनक पर लगे पुष्पों को पुष्पन के एक दिन पहले बटर पेपर से बनी थैली से ढक देते है। इस थैली में 4-5 बारीक छिद्र हवा के आगमन के लिए करना आवश्यक है। अगले दिन सॉयकाल 4 से 8 बजे के मध्य नर पुष्पों से परागकण एकत्रित करके महिन ब्रुस की सहायता से बटर पेपर थैलों से ढके मादा पुष्पों की वर्तिकाग्र पर परागकणों को स्थानान्तरित कर पुनः बटर पेपर से ढक देते है। 3 से 4 दिनों के पश्चात् जब निषेचित मादा पुष्पों में फलन आरम्भ हो जाता है तो फल की पर्याप्त वृद्धि के लिए उन पर लगी थैलियों को सावधानीपूर्वक हटा देना आवश्यक है। अधिक गुणवत्ता बीज प्राप्त करने के लिए प्रत्येक बेल से 4 से 5 फल ही प्राप्त करना चाहिए इससे अधिक फल लेने पर बीजों के विकास एवं गुणवत्ता में कमी आती है।

2. खुला परागण द्वारा निषेचन (मादा प्रजनक के नर फूलों को हटाना तथा मधुमक्खियों द्वारा परागण) : इस विधि का उपयोग पर्याप्त पृथक्करण दूरी (800 से 1000 मीटर) उपलब्ध होने की दशा में चुना जाता है। मादा प्रजनकों पर लगे नर पुष्पों की पुष्पकलिकाओं को खलने से पहले ही तोड़ दिया जाता है इसके लिये खेत में पुष्पकलियों के खिलने से पहले खेत का लगातार निरीक्षण करना आवश्यक है। पर-परागण के लिए प्रति एकड़ एक मधुमक्खी का छत्ता पर्याप्त होता है।

अवांछनीय पौधों का निष्कासन :

संकर बीज उत्पादन में यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें पैतृक प्रजनको की आनुवांशिक तथा भौतिक शुद्धता बनी रहती है। खेत में पैतृक प्रजनको के अलावा तोरई की अन्य किस्मों के पौधों तथा चिकनी तोरई के पौधों को फूल आने से पूर्व अवश्य निकाल देना चाहिए। पैतृक प्रजनकों के आनुवांशिक गुणों का बीज उत्पादक को ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है।

- फसल का निरीक्षण निम्नलिखित तीन अवस्थाओं में करके अवांछनीय पौधों को निकाल देना चाहिए।
- फूल आने से पूर्व पौधे के बाहय गुणों के आधार पर जैसे पत्तों का रंग, आकार, बेल की वृद्धि इत्यादि।
- फूल आने के समय फूलों के गुणों के आधार पर जैसे फूलों का रंग, आकार एवं प्रकार आदि।
- फल की तुडाई से पूर्व, फल वृद्धि तथा तुड़ाई के समय फलों की गुणवता के आधार पर।

तुड़ाई एवं बीज निष्कासन :

मादा प्रजनक के फलों का रंग भूरा होकर फलों के तथा फल सुखने के पश्चात् इनको बेलों से तोड लिया जाता है। परिपक्व फलों को हिलाने पर फल में उपस्थित बीजों की आवाज आती है। परिपक्व फलों को 5 से 10 दिनों तक छायादार स्थान पर रखकर सुखाया जाता है, ताकि फलो एवं बीजों में उपस्थित अतिरिक्त नमी निकल जायें। सूखे हुए फलो से बीज निकाल लेना चाहिए। परिपक्व बीज काले व चमकीले रंग के दिखाई देते है।

उपज :

इस प्रकार तुरई के संकर बीज की उपज 1.5 से 2.0 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक प्राप्त की जा सकती है।

कीट एवं व्याधि प्रबंधन :

इस फसल को मुख्यतः रस चूषक कीट जैसे फलमक्खी एवं लाल भृंग कीट द्वारा विभिन्न अवस्थाओ पर नुकसान पहूँचाया जाता है। अतः इन कीटों के नियंत्रण के लिए बेलों पर मैलाथियान या एण्डोसल्फान (1.5-2.0 मिली. प्रति लीटर) का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। मृदुलोमिल आसिता रोग का प्रकोप गर्मियों के मौसम में बरसात हो जाने की दशा में अधिक होता है जिसकी रोकथाम के लिए डायथेन एम-45 (2.0 ग्राम प्रति लीटर) का छिड़काव करें। अधिक तापमान व शुष्क मौसम की दशाओं में चूर्णिल आसिता रोग के लक्षण बेलों पर दिखाई देते है। इसकी रोकथाम के लिए कैराथेन (2.0 ग्राम प्रति लीटर) का छिड़काव करें।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेसबुक का बदल गया है नाम, जानें अब किस नाम से पहचाना जाएगा ये प्लेटफॉर्म

लखनऊ। (एजेंसी)।
फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने गुरुवार को घोषणा की कि वह अपनी कंपनी का नाम बदलकर मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक कर रहे हैं। जुकरबर्ग ने इसे मेटावर्स का नाम दिया है। हालांकि आलोचक कहते हैं कि यह फेसबुक पेपर्स से दस्तावेज लीक होने से उत्पन्न विवाद से ध्यान भटकाने का एक प्रयास हो सकता है।

जुकरबर्ग का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि अगले दशक के भीतर 'मेटावर्स' एक अरब लोगों तक पहुंच जाएगा। उनका कहना है कि 'मेटावर्स' एक ऐसा प्लेटफॉर्म होगा जिस पर लोग संवाद करेंगे तथा उत्पाद एवं सामग्री तैयार करने के लिए कार्य कर सकेंगे। उन्हें उम्मीद है कि यह एक ऐसा नया प्लेटफार्म होगा जो रचनाकारों के लिए ''लाखों'' नौकरियां सृजित करेगा। यह घोषणा ऐसे समय पर आयी है जब फेसबुक अस्तित्व के संकट का सामना कर रहा है। फेसबुक पेपर्स में खुलासे के बाद इसे दुनिया के कई हिस्सों में विधायी और नियामक जांच का सामना करना पड़ रहा है।

मेटावर्स क्या है?

मेटावर्स, एक वर्चुअल कंप्यूटर-जनरेटेड स्पेस है जहां लोग बातचीत कर सकते हैं। इसका लोगों भी नया होगा जो कि ढ्डहस्नढ्डहञ्जङ्घ शेप में दिखाई देगा। बता दें कि फेसबुक के नाम को बदलने की प्रक्रिया लंबे समय से चल रही थी। मार्क सोशल मीडिया कंपनी की दोबारा ब्रान्डिंग करना चाहते हैं। मार्क के इस कदम से ब्रांड को एक अलग पहचान मिलेगी। मार्क नहीं चाहते कि, फेसबुक को केवल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के तौर पर न देखा जाए इसलिए फेसबुक का नाम बदलकर मेटा किया गया। मेटावर्स के जरिए से एक वर्चुअल दुनिया का आगाज होगा जिसके तहत ट्रांसफर और कम्यूनिकेशन के लिए अलग-अलग टूल का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

केवल 27 प्रतिशत अमेरिकी माता-पिता छोटे बच्चों का टीकाकरण करने के है इच्छुक: सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
वॉशिंगटन, 29 अक्टूबर (आईएएनएस)। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, अमेरिका में केवल 27 प्रतिशत माता-पिता ने कहा कि वे अपने पांच से 11 साल के बच्चों को कोविड-19 के खिलाफ तुरंत टीका लगवाएंगे। कैसर फैमिली फाउंडेशन का सर्वेक्षण 14 से 24 अक्टूबर के बीच 1519 वयस्कों के एक राष्ट्रीय प्रतिनिधि रैंडम अंक डायल नमूने के बीच आयोजित किया गया था। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक तिहाई माता-पिता ने कहा कि वे इंतजार करेंगे और देखेंगे कि उनके 5-11 साल के बच्चों को टीका लगाने से पहले टीका कैसे काम कर रहा है, जबकि 30 प्रतिशत ने कहा कि वे निश्चित रूप से अपने छोटे बच्चों को टीका नहीं लगवाएंगे। माता-पिता की मुख्य चिंताएं संभावित अज्ञात दीर्घकालिक प्रभावों और टीके के गंभीर दुष्प्रभावों से संबंधित हैं, जिसमें दो-तिहाई ऐसे लोग शामिल हैं जो सोचते है कि टीके से भविष्य में उनके बच्चों की प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती हैं। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के सलाहकारों ने मंगलवार को पांच से 11 साल के बच्चों के लिए फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन को अधिकृत करने के पक्ष में मतदान किया। फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन क्लिनिकल परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि यह बच्चों

में रोगसूचक कोविड-19 के खिलाफ सुरक्षित और 90.7 प्रतिशत प्रभावी है। एफडीए अपने सलाहकारों की सिफारिश के आधार पर टीके के औपचारिक प्राधिकरण पर विचार करेगा। अगर अनुमति मिलती है, तो यह छोटे बच्चों के लिए पहला कोविड-19 वैक्सीन होगा।

बाइडेन और मैक्रो के बीच पनडुब्बी विवाद के बाद होगी पहली बैठक, रोम में होगी मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)।
रोम (इटली)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका के सबसे पुराने मित्र फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ होने वाली बैठक आसान नहीं होगी। बाइडन और मैक्रों की शुक्रवार को रोम में ऐसे समय में मुलाकात होगी, जब पेरिस ऑस्ट्रेलिया के साथ गोपनीय अमेरिका-ब्रिटेन पनडुब्बी सौदे को लेकर अब भी खफा है। इस सौदे ने अमेरिकी वफादारी में यूरोप के विश्वास को झकझोर दिया था। दोनों नेताओं के बीच इस सौदे के बाद से दो बार बात चुकी है और सितंबर में सार्वजनिक हुए इस सौदे के बाद उनकी आमने-सामने की पहली बैठक फ्रांस को शांत करने की अमेरिका की एक और कोशिश है। एक शीर्ष फ्रांसीसी अधिकारी ने बताया कि मैक्रों की अपेक्षा है कि बाइडन अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में फ्रांस के आतंकवाद रोधी अभियानों को समर्थन देने की ''प्रतिबद्धता'' जताएंगे।

फ्रांस चाहता है कि उस क्षेत्र में अमेरिका खुफिया और सैन्य सहयोग बढ़ाए। बाइडन और मैक्रों हिंद-प्रशांत में सहयोग के नए तरीकों पर चर्चा कर सकते हैं। इसके अलावा दोनों नेताओं के बीच चीन, अफगानिस्तान और ईरान पर भी वार्ता होने की संभावना है। फ्रांस ने ऑस्ट्रेलिया को पनडुब्बी मुहैया कराने के लिए सौदा किया था, लेकिन अमेरिका के नेतृत्व वाले सौदे के कारण यह सौदा रद्द हो गया था। इससे फ्रांस को 60 अरब डॉलर का नुकसान हुआ और उसने कहा कि बाइडन प्रशासन ने ऑस्ट्रेलिया के साथ वार्ता को लेकर उसे गुमराह किया। उसने यह भी कहा कि बाइडन अपने देश के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भांति रणनीतियां अपना रहे हैं। फ्रांस को सबसे अधिक नाराजगी इस बात से है कि उसे इस बड़े भूराजनीतिक बदलाव के बारे में अंधेरे में रखा गया और हिंद-प्रशांत में उसके हितों के बावजूद उसे नजरअंदाज किया गया।

क्या है नेट जीरो उत्सर्जन, जिसके टारगेट से भारत ने खुद को दूर रखने का किया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)।
स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र वैश्विक जलवायु सम्मेलन या कान्फ्रेंस ऑफ पार्टी 26 (सीओपी26) काआयोजन होने जा रहा है, जिसके लिये दुनियाभर के आमंत्रित नेता और पर्यावरण से जुड़े लोग तैयारियों में जुटे हुए हैं। सीओपी26 का मुख्य एजेंडा नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य कैसे हासिल किया जाए। हालांकि सम्मेलन से पहले ही भारत ने जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखने से इनकार कर दिया है। भारत की ओर से कहा गया है कि दुनिया को उत्सर्जन कम करने के रास्ते खोजने चाहिए ताकि वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी के खतरे को टाला जा सके। चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद भारत ग्रीनहाउस गैसों का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक देश है। ग्लासगो में अगले सप्ताह के जलवायु सम्मेल में भारत पर इसे कुछ दशकों में जीरो करने का ऐलान करने का दबाव है।

'नेट जीरो' उत्सर्जन क्या है

क्लाइमेट चेंज के लिए क्लोरो-फ्लोर कॉर्बन, ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन जिम्मेदार है। 'नेट जीरो' जिसे कॉर्बन न्यूट्रैलिटी भी कहा जाता है, इसका मतलब यह नहीं है कि कोई देश ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बिल्कुल ही न करे यानी

एकदम जीरो कर दे। इसका मतलब यह है कि कोई देश वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों का जितना उत्सर्जन कर रहा है, उतना ही उसे सोख और हटा भी रहा है यानी वातावरण में वह देश ग्रीन हाउस गैसों को न बढ़ा रहा हो।

नेट जीरो की घोषणा करना जलवायु संकट का समाधान नहीं

द हिन्दू की रिपोर्ट के अनुसार पर्यावरण सचिव आरपी गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा कि नेट जीरो की घोषणा करना जलवायु संकट का समाधान नहीं है। यह अधिक महत्वपूर्ण है कि आप जीरो उत्सर्जन तक पहुंचने से पहले वातावरण में कितना कार्बन पहुंचा रहे हैं। गुप्ता ने भारत सरकार की गणना का हवाला देते हुए कहा कि अब और सदी के मध्य तक संयुक्त राज्य अमेरिका ने वातावरण में 92 गीगाटन कार्बन और यूरोपीय संघ 62 गीगाटन छोड़ेगा। बता दें कि भारत ने पेरिस समझौते में उत्सर्जन को 2005 के स्तर से 2030 तक तष्ठक्कके 33 से 35 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य रखा था और 2016 तक उसने 24 प्रतिशत कम कर लिया था।

बिना ठोस कदमों के इन लक्ष्यों के कोई मायने नहीं

संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने 2050 तक कार्बन उत्सर्जन जीरो करने का लक्ष्य तिथि निर्धारित किया। यानी इस बिंदु तक ये देश न केवल ग्रीनहाउस गैसों की एक मात्रा का उत्सर्जन करेंगे बल्कि जितने जंगलों, फसलों, मिट्टी और कार्बन का असर कम करने वाली टेक्नोलॉजी सोख सकेंगी। चीन और सऊदी अरब ने इसके लिए 2060 का लक्ष्य रखा है, लेकिन आलोचकों का कहना है कि बिना ठोस कदमों के इन लक्ष्यों के कोई मायने नहीं हैं।

पिता की लाश के साथ मॉडल ने करवाया हॉट फोटोशूट, ट्रोल होने के बाद बोलीं- इसमें गलत क्या!

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।
सोशल मीडिया ने रातों रात कई लोगों को स्टार बना कर उनकी जिंदगी बदल दी। किसी ने डांस करके लोगों का दिल जीता तो किसी ने आंखों का जादू चला कर। सोशल मीडिया पर वायरस होने के लिए लोग तरह तरह के तिकड़म अपनाते है ताकि वह सोशल मीडिया पर वायरस हो जाएं और उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ जाए। ऐसा इस लिए भी है क्योंकि सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग ज्यादा होने से पैसे भी कमाएं जा सकते हैं। सोशल मीडिया पर फैमस होने की होड़ इस कदर है कि इंस्टाग्राम पर मशहूर मियामी की मॉडल ने अपने पिता के शव के साथ हॉट फोटोशूट करवाया और तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया।

20 साल की अमेरिकी लड़की जेने रिवेरा ने कुछ दिनो पहले सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह फुल मेकअप के साथ काली रंग की टाइट ड्रेस में पोज देती नजर आयी। उनके बैकग्राउंग में उनके पिता का शव एक ताबूक में रखा हुआ था। मॉडल ने जैसे ही यह तस्वीरें शेयर की यह सोशल मीडिया पर वायरस होने नहीं। विश्व स्तर पर इस तरह से अपने पिता के शव के साथ पोज देने वाली तस्वीर की आलोचना हो रही है। मॉडल जेने रिवेरा (छ्वड्डठ्ठद्ग ऋद्ब1द्गह्म्ड्ड) को काफी बुरी तरह से ट्रोल किया गया। तस्वीरें पोस्ट करने के बाद हुई आलोचना से आहर होकर मॉडल ने तस्वीरें डिलिट कर दी। इसके बाद उन्होंने अपने बचाव करते हुए बयान जारी किया।

एनबीसी न्यूज को दिए एक बयान में, रिवेरा ने कहा कि तस्वीरें ÷सर्वश्रेष्ठ इरादों÷ के साथ ली गई

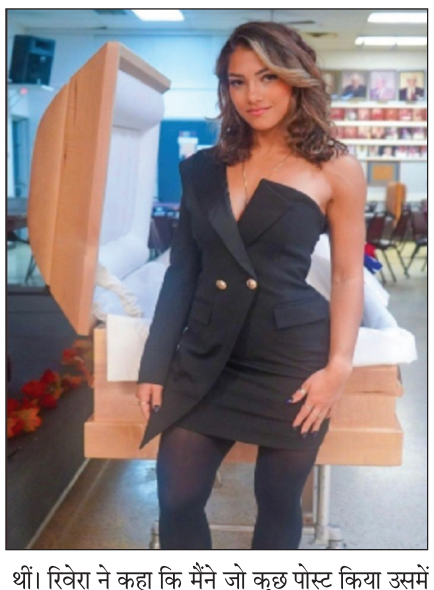

थीं। रिवेरा ने कहा कि मैंने जो कुछ पोस्ट किया उसमें कुछ भी गलत नहीं था। मेरे पिता मेरे करियर को हमेशा सपोर्ट करते थे। वह इन तस्वीरों को लेकर भी मुझपर गर्व करते अगर वो जिंदा होते। उन्होंने आगे कहा कि हर किसी का अपने दुख से लड़ने का अपना अलग तरीका होता है मेरा ये तरीका मेरे हिसाब से गलत नहीं था।

आपको बता दें कि रिवेरा ने कथित तौर पर पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर अपने फैंस को बताया कि उनके पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे हैं। वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। उन्होंने अपना जीनव बहुश आनंद से जिया।

लड़कियों की शादी के लिए न्यूनतम उम्र तय करना इस्लाम के खिलाफ नहीं, पाकिस्तान शीर्ष इस्लामिक कोर्ट का बयान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।
पाकिस्तान की शीर्ष इस्लामी अदालत ने फैसला सुनाया है कि लड़कियों की शादी के लिए न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित करना इस्लाम की शिक्षाओं के खिलाफ नहीं है। उसने एक याचिका को खारिज कर दिया जिसमें बाल विवाह निरोधक कानून की कुछ धाराओं को चुनौती दी गई थी। इस फैसले से बाल विवाह पर एक विवाद सुलझ सकता है, जो कट्टरपंथी मुसलमानों के इस आग्रह से उपजा है कि इस्लाम ने शादी के लिए कोई उम्र तय करने की अनुमति नहीं दी है।

मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद नूर मिस्कनजई की अध्यक्षता वाली संघीय शरीयत न्यायालय (एफएससी) की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने बृहस्पतिवार को बाल विवाह प्रतिबंध अधिनियम (सीएमआरए) 1929 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। डॉन अखबार की खबर में कहा गया है कि एफएससी ने याचिका को खारिज कर दिया और स्पष्ट रूप से घोषित किया कि इस्लामी राज्य द्वारा लड़कियों की शादी के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित करना इस्लाम के खिलाफ नहीं है। न्यायमूर्ति डॉ सैयद मोहम्मद अनवर द्वारा लिखे गए फैसले में कहा गया, याचिका की जांच करने के बाद, हमारा विचार है कि याचिका गलत है, इसलिए इसे खारिज किया जाता है। दस पन्नों के फैसले में, एफएससी ने माना कि विवाह के लिए लड़कियों और लड़कों दोनों के लिए अधिनियम द्वारा निर्धारित न्यूनतम आयु सीमा गैर-इस्लामी नहीं है। सीएमआरए की धारा 4 में बाल विवाह के लिए एक साधारण कारावास की सजा का प्रावधान है, जिसकी अवधि छह महीने तक हो सकती है और 50,000 पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। जबकि धारा 5 और 6 में बच्चे का निकाह करने और बाल विवाह की अनुमति देने या उसे बढ़ावा देने की सजा की व्याख्या की गई है।

निर्णय बताता है कि शिक्षा का महत्व आत्म-व्याख्यात्मक है और शिक्षा की आवश्यकता सभी के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है, चाहे वह किसी भी लिंग का हो। फैसले में कहा गया है, इसीलिए इस्लाम में हर मुसलमान के लिए शिक्षा हासिल करना अनिवार्य है, जैसा कि एक हदीस में कहा गया है कि हर मुसलमान के लिए ज्ञान हासिल करना अनिवार्य है। फैसले में कहा गया है कि एक स्वस्थ विवाह के लिए न केवल शारीरिक

स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता आवश्यक कारक हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और बौद्धिक विकास भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें शिक्षा के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि शिक्षा महिला सशक्तिकरण के लिए मौलिक है क्योंकि यह किसी व्यक्ति और फलस्वरूप किसी भी राष्ट्र की भावी पीढ़ी के लिए के विकास की कुंजी है। खबर के मुताबिक जॉर्डन, मलेशिया, मिस्र और ट्यूनीशिया जैसे कई इस्लामी देश ऐसे हैं जहां पुरुष और महिला के लिए शादी की न्यूनतम उम्र तय है।

सार समाचार

मानवीय संकट का सामना कर रहा अफगानिस्तान, अमेरिका करेगा मदद

वाशिंगटन। अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के अधीन गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहे लोगों की मदद के लिए अमेरिका 14.4 करोड़ डॉलर देगा। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने बृहस्पतिवार को बताया कि सहायता स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय और गैर-सरकारी मानवीय संगठनों को सीधे प्रदान की जाएगी, जिनमें शरणार्थियों से जुड़ा संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), अंतरराष्ट्रीय आव्रजन संगठन (आईओएम) और विश्व स्वास्थ्य संगठन शामिल हैं। ब्लिंकन ने कहा, ''इस कोष के जरिए क्षेत्र के 1.8 करोड़ से अधिक जरूरतमंद अफगानिस्तान के लोगों को सीधे मदद मुहैया कराई जाएगी, जिसमें पड़ोसी देशों में पनाह लेने वाले अफगानिस्तान के शरणार्थी भी शामिल हैं।'' ब्लिंकन ने कहा कि इसके साथ ही, अफगानिस्तान में और इस क्षेत्र में अफगान शरणार्थियों के लिए कुल अमेरिकी मानवीय सहायता 2021 में बढ़कर लगभग 47.4 करोड़ डॉलर हो गई, जो किसी भी राष्ट्र द्वारा दी गई सबसे अधिक आर्थिक मदद है। विदेश मंत्री ने कहा, '' यह मदद हमारे भागीदारों को स्वास्थ्य देखभाल की कमी, कोविड-19, सूखा, कुपोषण और आने वाले सर्दी के मौसम में बढ़ती मानवीय जरूरतों के मद्देनजर जरूरी जीवन सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल, सर्दी के समान से जुड़ी सहायता, अन्य साजो-समान और आपातकालीन खाद्य संबंधी सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाएगी।'' उन्होंने कहा, '' इस मानवीय सहायता से अफगानिस्तान के लोगों को लाभ होगा न कि तालिबान को, जिन्हें हम उनके द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं के लिए जवाबदेह ठहराते रहेंगे।''

पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने वाले कश्मीरी छात्रों पर देशद्रोह का मामला दर्ज, 14 दिन की न्यायिक हिरासत

नोएडा/आगरा। पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने वाले जो तीन कश्मीरी छात्र आगरा में गिरफ्तार किये गए थे, उन पर बृहस्पतिवार को राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उक्त छात्रों में से दो की उम्र 20-20 साल है और एक 21 वर्ष का है। उन्होंने कहा कि इन छात्रों को आगरा की एक अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत से बाहर आते समय कथित तौर पर कुछ लोगों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। इस बीच जम्मू कश्मीर के छात्रों की एक संस्था ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह किया है कि छात्रों पर से राजद्रोह का मामला वापस लिया जाए।

रूस में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामले, मॉस्को में कामकाज पर लगी रोक

मॉस्को। रूस में कोविड-19 के मामलों में लगातार हो रही भारी वृद्धि के बीच बृहस्पतिवार को प्रशासन ने मॉस्को में कामकाज पर 11 दिनों की पाबंदी लागू की ताकि अधिक से अधिक लोग घरों में रहें और वायरस को फैलने से रोका जा सके। सरकारी कोरोना वायरस कार्यबल ने बताया कि 24 घंटों में 1,159 लोगों की मौत संक्रमण से हुई, जिसके बाद मृतकों की कुल संख्या 235,057 हो गई। देश में महामारी फैलने के बाद से एक दिन में मौत के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। इसके अलावा बृहस्पतिवार को संक्रमण के 40,096 नए मामले सामने आए हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संक्रमण की रोकथाम के लिये 30 अक्टूबर से सात नवंबर के बीच कामकाज पर पाबंदी का आदेश दिया था। इस दौरान अधिकतर सरकारी संगठन तथा निजी व्यापार बंद करने का प्रावधान है। उन्होंने अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों से जल्द से जल्द इसे लागू करने के लिये प्रोत्साहित किया था। कुछ क्षेत्रों ने इस सप्ताह की शुरुआत में इसे लागू कर दिया था। बृहस्पतिवार के बाद मॉस्को में स्कूल, जिम, मनोरंजन स्थल अरैर अधिकतर स्टोर बंद रहेंगे जबकि रेस्त्रां और कैफे से खाना घर ले जाने की छूट रहेगी। बंदी के दौरान आवश्यक वस्तुएं और राशन का सामान बेचने वाले स्टोर और दवा दुकानों को खोले रखने की अनुमति रहेगी।

दक्षिण कोरिया राजधानी क्षेत्र में अब एक साथ दस लोग इकट्ठा हो सकेंगे

सियोल। दक्षिण कोरियाई सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह सियोल क्षेत्र में इकट्ठा होने वाले लोगों की सीमा बढ़ाकर 10 तक करेगी और नाइटलाइफ इस्टैब्लिशमेंट को छोड़कर, सभी मल्टी-यूज फैसिलिटी पर बिजनेस कर्फ्यू को चार सप्ताह के लिए लागू करेगी। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक वैक्सीन पास प्रणाली, जिसके लिए विजिटर को वैक्सीन सर्टिफिकेट या नेगेटिव टेस्ट रिपोर्ट की आवश्यकता होगी। नाइटलाइफ इस्टैब्लिशमेंट, जैसे बार और नाइट क्लब, और इनडोर खेल सुविधाओं में प्रवेश के लिए एक ग्रेस पीरियड के साथ पेश किया जाएगा। प्रधान मंत्री किम बू-क्यूम ने एक कोविड -19 प्रतिक्रिया बैठक में घोषणा की, जिसमें एक सरकारी-निजी समिति द्वारा सुझाए गए अंतिम मसौदा रोडमैप पर चर्चा की गई, जिसका उद्देश्य लोगों के जीवन को धीरे-धीरे सामान्य बनाना है। समिति में निजी क्षेत्र के 30 विशेषज्ञ शामिल हैं, इस सप्ताह की शुरुआत में देश के लिए एक मसौदा रोडमैप बनाया गया है, जिसमें महामारी से पीड़ित छोटे व्यवसाय के मालिकों की मदद करने के लिए कोरोनोवायरस प्रतिबंधों को धीरे-धीरे समाप्त किया जाएगा। इसके साथ ही देश की टीकाकरण दर 70 प्रतिशत के प्रारंभिक लक्ष्य तक पहुँचने के साथ और स्थायी उपाय तैयार किए जाएंगे। योजना का पहला चरण 1 नवंबर से चार सप्ताह के लिए लागू की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमित शाह ने की भाजपा सदस्यता अभियान की शुरुआत, पूछा- बाढ़ और कोरोना के समय पर अखिलेश कहां थे ?

लखनऊ। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में मेरा परिवार-भाजपा परिवार सदस्यता अभियान की शुरुआत की। इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। अमित शाह ने सबसे पहले भारत माता जय का उद्घोष लगवाया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से 300 प्लस सीटों का संकल्प लेना है।

भगवान राम की भूमि है उत्तर प्रदेश

अमित शाह ने कहा कि दीपावली में उत्तर प्रदेश के हर घर पर मेरा परिवार भाजपा परिवार का स्वीकृति लगे इस प्रकार के अभियान की शुरुआत कराने आया हूं। मैं यह जरूर स्मरण कराना चाहूंगा कि यह उत्तर प्रदेश बाबा विश्वनाथ की भूमि है। यह उत्तर प्रदेश भगवान राम और श्री कृष्ण की जन्मभूमि है। यह उत्तर प्रदेश बुद्ध की कर्मभूमि, आदिनाथ, संत कबीर, महाराजा सुहेलदेव और पंडित मदन मोहन मालवीय की भूमि है।

इसी बीच अमित शाह ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव पांच साल में विदेश में कितने दिन रहे हैं इसका जवाब उत्तर प्रदेश की जनता को दे दीजिए। उत्तर प्रदेश में कोरोना आया और बाढ़ आई। ऐसे में आप कहां थे। इसका हिसाब दे दीजिए। इन लोगों ने स्वयं के लिए, परिवार के लिए और अपनी जाति के लिए शासन किया है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में योगी आदित्यनाथ ने सरकार उत्तर प्रदेश के दलित, पिछड़ा, आदिवासियों और हर एक व्यक्ति के लिए चली है। मैं आप लोगों को फिर से याद कराना चाहता हूं कि 2014 में परिवर्तन की शुरुआत हुई उस वक्त मैं भाजपा उत्तर प्रदेश का प्रभारी था। साल 2017 में जब सरकार बनी तब मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में यहां पर डेरा डाला हुआ था और साल 2019 में फिर से मोदी जी को हम सबसे प्रचंड बहुमत से प्रधानमंत्री बनाया तब भी मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष था।

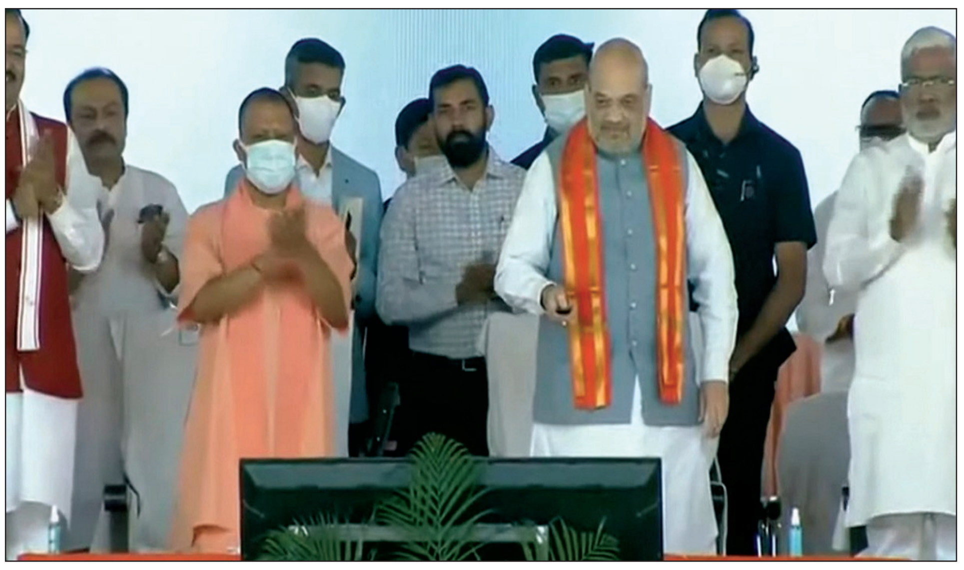

पेगासस स्पाइवेयर पर बोले चिदंबरम, खरीदार निश्चित रूप से भारत सरकार था

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने पेगासस जासूसी मामले की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की ओर से तीन सदस्यीय समिति गठित किए जाने की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को दावा किया कि इस इजरायली स्पाईवेयर की खरीद भारत सरकार ने की थी। उन्होंने ट्वीट किया, ''पेगासस विवाद में उच्चतम न्यायालय के विवेकपूर्ण और साहसिक आदेश के बाद, पहला आवरण हट गया है। कल, इज़राइल के राजदूत ने सार्वजनिक रूप से कहा कि पेगासस स्पाइवेयर केवल सरकार को बेचा गया था। इसका मतलब यह है कि भारत के मामले में, खरीदार निश्चित रूप से भारत सरकार थी।'' पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम ने यह भी कहा, ''क्या दूरसंचार मंत्री यह स्वीकार करेंगे कि पेगासस की खरीदार भारत सरकार थी ? अगर वह चुप रहते हैं, तो उनके रिपोर्ट कार्ड पर धब्बा बना रहेगा।''

भारत में इजराइल के नवनियुक्त राजदूत नाओर गिलोन ने स्पाईवेयर पेगासस के कथित इस्तेमाल संबंधी विवाद को भारत का ''आंतरिक मामला'' बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि एनएसओ जैसी कंपनियां अपने उत्पाद गैर सरकारी संस्थाओं, संगठनों या

व्यक्तियों को नहीं बेच सकतीं। गिलोन का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब गत बुधवार को उच्चतम न्यायालय ने एनएसओ के स्पाईवेयर पेगासस के जरिए पत्रकारों, कार्यकर्ताओं एवं नेताओं समेत भारतीय नागरिकों की कथित जासूसी के मामले की जांच के लिए विशेषज्ञों की तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था और कहा था कि सरकार हर बार राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर बच नहीं सकती।

वरुण गांधी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी देने की मांग की

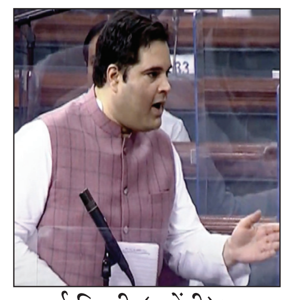

नई दिल्ली (एजेंसी)।

किसानों के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि खरीद केंद्रों में खुले आम भ्रष्टाचार हो रहा है और किसान अपना अनाज बिचौलियों को बेचने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की मांग करते हुए कहा कि जब तक यह नहीं किया जाता तब तक ''मंडियों'' (कृषि उत्पादों के बाजार) में किसानों का शोषण होता रहेगा। एमएसपी की कानूनी गारंटी देना तीन कृषि कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसान संघों की मांगों में से एक है।

गांधी ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने बरेली में एक मंडी में एक सरकारी अधिकारी से बात करते हुए अपनी एक वीडियो भी पोस्ट की। किसानों की परेशानियों का मुद्दा उठाते हुए गांधी को यह कहते हुए सुना गया कि यह राज्य के लिए ''बड़ी शर्म'' की बात है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को बहुत कम कीमत पर अपना अनाज बेचने पर मजबूर करने के लिए अधिकारियों और बिचौलियों के बीच ''साठगांठ'' पूरे देश में दिखायी देती है। उन्हें अधिकारी को यह चेतावनी देते हुए सुना गया कि यदि उनका प्रतिनिधि किसानों के साथ भ्रष्टाचार या दुर्व्यवहार का कोई सबूत देता है तो वह सरकार से कोई अनुरोध नहीं करेंगे बल्कि अदालत जाएंगे और ऐसे अधिकारियों को गिरफ्तार करवाएंगे।

तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए लिएंडर पेस, जमकर की ममता बनर्जी की तारीफ

कोलकाता (एजेंसी)।

खिलाड़ी और राजनीति का संबंध बहुत पुराना रहा है। एक बार फिर से इसे मजबूत किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी मिशन गोवा पर हैं। अपने गोवा दौरे के दौरान वह आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर लोगों को साधने की कोशिश कर रही हैं। ममता के गोवा दौरे के दौरान कई हस्तियां उनकी पार्टी में शामिल हुईं। इन सबके बीच स्टार टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस भी तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

लिएंडर पेस ने की ममता बनर्जी की तारीफ

तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के बाद लिएंडर पेस में ममता बनर्जी की जमकर तारीफ की। किसने कहा कि जब मैं 14 साल का था तो ममता बनर्जी खेल मंत्री थे और उन्होंने मुझे अपने सपने को हासिल करने में सक्षम बनाया। लिएंडर पेस ने कहा कि अब मैं संन्यास ले चुका हूं और ममता के मार्गदर्शन में काम करने आया हूं ताकि मैं जहां रहता हूं वहां के लोगों के लिए सब कुछ कर सकूं। ममता बनर्जी से मेरा कैरियर बहुत ही प्रभावित रहा है।

ममता बनर्जी की तारीफ

ममता बनर्जी ने भी लिएंडर पेस के पार्टी में शामिल होने पर खुशी जताई। ममता बनर्जी ने कहा कि वह मेरे छोटे भाई की तरह है। मैं उन्हें तब से जानती हूं जब वह मिनिस्टर थीं और वह काफी युवा थे। तृणमूल कांग्रेस ने इस बात की जानकारी देते हुए ट्वीट किया कि लिएंडर पेस ममता बनर्जी की मौजूदगी में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए। हम मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि देश में हर व्यक्ति लोकतंत्र के सुबह को देखें जिसका हम सब 2014 से इंतजार कर रहे हैं।

मेरठ में नहीं रुक रहा डेंगू का कहर, 1200 के पार पहुंची मरीजों की संख्या

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

मेरठ में डेंगू कम होने का नाम नहीं ले रहा है। यह बेहद ही खतरनाक संकेत हैं कि डेंगू का कहर कम होता नहीं दिख रहा है। पिछले 30 दिनों में जिले में डेंगू के 820 मरीज मिले हैं। अभी तक डेंगू-बुखार से शहर और देहात क्षेत्र में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। गुरुवार को डेंगू के 36 नए मरीज मिले। जिले में अब तक मिले डेंगू मरीजों की कुल संख्या 1230 तक पहुंच गई है। निजी अस्पतालों से लेकर सरकारी अस्पताल तक मरीजों की लाइन लगी है। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों के तमाम दावे भी लगातार दिखावा साबित हो रहे हैं। वहीं मलेरिया विभाग की ओर लार्वा खोजने के लिए हुए सर्वे में पूठ खास में चार घरों में लार्वा मिला। सभी भवन स्वामियों को नोटिस जारी किए गए।

मंडलीय सर्विलांस अधिकारी डा. अशोक तालियान ने बताया कि शहरी क्षेत्र में मरीजों की संख्या 647, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 575 पहुंच गई है। जिले भर में मलियाना क्षेत्र में सर्वाधिक 111, जबकि रोहटा में 89 मिले हैं। एक्टिव मरीजों की संख्या 292 तक पहुंच गई है। वहीं विभिन्न अस्पतालों में 84 मरीज भर्ती हैं और 208 मरीज होम आइसोलेशन पर हैं। 930 मरीज रिकवर हो चुके हैं।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले में 29 अक्टूबर की सुबह तक डेंगू के मरीजों की संख्या 1230 पहुंच गई। सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन ने बताया कि 930 मरीज रिकवर कर लिए गए हैं। 292 मरीजों का इलाज चल रहा है। पिछले 48 घंटों में 70 मरीज मिले हैं।

उधर, जिला मलेरिया विभाग की ओर से थानों में चले दो दिवसीय विशेष अभियान में लार्वा मिलने पर शुक्रवार से विभिन्न सरकारी दफ्तरों में अभियान चलेगा। जिला मलेरिया अधिकारी सत्यप्रकाश ने बताया कि टीमें दफ्तरों में जाकर कंटेनर सर्वे करेंगी। साथ ही लार्वा मिलने पर नोटिस व एंटी लार्वा गतिविधि, फागिंग आदि कराई जाएगी। गुरुवार को हुए सर्वे में भी गंभीरता के साथ कई घरों की जांच की गई। लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक भी किया गया।

ड्रग्स केस में नवाब मलिक का बड़ा खुलासा, बोले- फैशन टीवी का हेड काशिफ सेक्स रैकेट चलाता है, समीर वानखेड़े से उसके अच्छे संबंध

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक एनसीबी पर लगातार हमलावर हुए हैं। जब से आर्यन खान की गिरफ्तारी हुई है तब से वह हर दिन एनसीबी की कार्यवाही पर सवाल उठा रहे हैं। महाराष्ट्र राकांपा नेता नवाब मलिक ने ड्रग्स-ऑन-क्रूज़ पार्टी का एक वीडियो जारी किया है, जिसमें लोकप्रिय ड्रग्स मामले को एक नया कोण दिया गया है। विडीयो में एक दाढ़ी वाला, गंजा आदमी क्रूज जहाज पर नाचता हुआ दिखाई दे रहा है। मलिक का आरोप है कि काशिफ खान फैशन टीवी के भारत प्रमुख और रेव पार्टी के आयोजक हैं। उनका आरोप है कि 'असली ड्रग डीलर' आर्यन नहीं, काशिफ खान है। मलिक ने समीर वानखेड़े और काशिफ खान के संबंधों पर भी सवाल उठाए।

नवाब मलिक बोले- फैशन टीवी का हेड काशिफ सेक्स रैकेट चलाता है

एनसीबी के क्रूज ड्रग्स मामले को बार-बार फर्जी करार देने वाले महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने बृहस्पतिवार को सवाल किया कि क्रूज पार्टी के आयोजकों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने यह भी दावा किया कि क्रूज पार्टी का आयोजक स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई जोनल निदेशक समीर वानखेड़े का 'मित्र' था। वानखेड़े के नेतृत्व में एनसीबी की टीम ने गत दो अक्टूबर को मुंबई तट पर क्रूज जहाज पर छापा मारा था और मादक पदार्थ जब्त करने का दावा किया था।

काशिफ खान के साथ समीर वानखेड़े के अच्छे संबंध

संघीय मादक पदार्थ रोधी एजेंसी ने बाद में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान और अन्य को इस सिलसिले में गिरफ्तार किया था। मलिक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, क्रूज पर मौजूद दाढ़ी वाला व्यक्ति फैशन टीवी का प्रमुख है, जिसने कॉर्डेलिया क्रूज पर कथित ड्रग्स पार्टी का आयोजन किया था। एनसीबी पहले ही दावा कर चुकी है कि क्रूज पर एक रेव पार्टी की योजना बनाई गई थी। राकांपा नेता ने पूछा, बिना अनुमति के इतनी बड़ी पार्टी कैसे आयोजित की गई? काशिफ खान के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई, जो फैशन टीवी के भारत प्रमुख और समीर वानखेड़े के दोस्त हैं? उन्होंने वानखेड़े और काशिफ खान के संबंधों पर भी सवाल खड़े किये। मंत्री ने कहा, वानखेड़े ने उनके खिलाफ कभी कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? मुझे समीर वानखेड़े से इन सवालों के जवाब की उम्मीद है। इससे पहले, मलिक ने बुधवार को कहा, कॉर्डेलिया क्रूज ड्रग्स पार्टी के आयोजक- फैशन टीवी- ने महाराष्ट्र पुलिस या राज्य के गृह विभाग से कोई अनुमति नहीं ली थी।

उन्होंने सीधे शिपिंग निदेशालय से अनुमति प्राप्त की, जो केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत आता है।÷ मंत्री ने यह भी दावा किया था कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया का एक सदस्य उसी क्रूज पर मौजूद था। उन्होंने पूछा कि वह व्यक्ति कैसे मुक्त घूम रहा है, जबकि कुछ अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया था। राकांपा नेता ने पहले भी वानखेड़े के खिलाफ कई आरोप लगाए थे, जिसमें अवैध फोन टैपिंग और नौकरी हासिल करने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल शामिल था। वानखेड़े ने आरोपों से इनकार किया है।

सार समाचार

तंबाकू चबाते हुए गवाही दे रहा था शख्स, मुंबई कोर्ट ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। मुंबई की एक कोर्ट ने हत्या केस की सुनवाई के दौरान एक गवाह पर जुर्माना लगाया है। हिंदी अखबार हक्क्ष में छपी एक खबर के मुताबिक, गवाही देने आया गवाह ने मुंह में तंबाकू डाला हुआ था जिसके कारण वह ठीक तरीके अपना बयान नहीं दे पा रहा था जिसके कारण गवाह पर कोर्ट ने 100 रुपये का जुर्माना लगाया। बता दें कि गवाह को वकील शाहिद आजमी की हत्या के मुकदमे में अपना बयान देना था लेकिन मुंह में तंबाकू होने के कारण वह ठीक तरीके से बोल नहीं पा रहा था। कोर्ट ने इसको लेकर आपत्ति जताई और जुर्माना लगा दिया। वहीं, अभियोजन ने बताया कि, गवाह गरीब परिवार से है और कोर्ट की कार्यवाही के बारे में कुछ जानता नहीं है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि, ऐसा लगता है कि उसे अदालती प्रक्रिया से कोई सरोकार नहीं है।

देश में 2020 में बढ़े आत्महत्या के मामले, महाराष्ट्र करीब 20,000 मामलों के साथ टॉप पर पहुंचा

नयी दिल्ली। भारत में 2020 में आत्महत्या के 1,53,052 मामले यानी रोजाना औसतन 418 मामले दर्ज किए गए। केंद्र सरकार के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने अपनी एक वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि 2020 में 2019 की तुलना में आत्महत्या के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2019 में इनकी संख्या 1,39,123 थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले एनसीआरबी ने बताया कि (प्रति लाख जनसंख्या) आत्महत्या दर में भी बढ़ोतरी हुई है। यह 2019 में 10.4 थी, लेकिन पिछले साल यह 11.3 रही। आत्महत्या के सर्वाधिक मामले महाराष्ट्र में सामने आए। महाराष्ट्र में कुल 19,909 मामले दर्ज किए गए जो कुल मामलों का 13 प्रतिशत हैं। उसके बाद तमिलनाडु में 16,883, मध्य प्रदेश में 14,578, पश्चिम बंगाल में 13,103 और कर्नाटक में 12,259 मामले दर्ज किए गए। तमिलनाडु में देशभर में आत्महत्या के कुल मामलों के 11 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 9.5 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 8.6 प्रतिशत और कर्नाटक में आठ प्रतिशत मामले दर्ज किए गए। एनसीआरबी ने बताया कि इन पांच राज्यों के आंकड़ों को यदि मिला दिया जाए तो ये देशभर में दर्ज किए गए आत्महत्या के कुल मामलों के 50.1 प्रतिशत मामले हैं, जबकि बाकी 49.9 प्रतिशत मामले शेष 23 राज्यों एवं आठ केंद्रशासित प्रदेशों मे दर्ज किए गए। ब्यूरो ने बताया कि देश की कुल आबादी में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 16.9 प्रतिशत है।

24 साल के सीरियल किलर ने किया 80 साल की बुजुर्ग का रेप, आजीवन कारावास की सुनाई गई सजा

सागर, (मप्र)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक स्थानीय अदालत ने 24 वर्षीय एक सीरियल किलर को 80 साल की बुजुर्ग महिला से दुष्कर्मऔर हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसी आरोपी को 13 साल की एक बालिका से बलात्कार और हत्या के मामले में भी अदालत ने तीन माह पहले मौत की सजा सुनाई थी। उप निदेशक अभियोजन अनिल कटारेने शुक्रवार को बताया कि दोनों ही मामलों में निचली अदालतों ने डीएनएरिपोर्ट के आधार पर आरोपी वीरेंद्र आदिवासी (24) को दोषी करार दिया है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीपाली शर्मा ने 80 वर्षीयपीड़िता से बलात्कार और गला घोंटकर हत्या करने वाले वीरेंद्र को बुधवार कोआजीवन कारावास और 11 हजार रुपएजुर्माने की सजा सुनाई। कटारे ने कहा कि वीरेंद्र ने बुजुर्ग महिला की हत्या के तीन माह बादनाबालिग बालिका से बलात्कार कर उसकी हत्या की। बालिका की हत्या के छह दिनबाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। अभियोजन के अनुसार बुजुर्गमहिला 11 जनवरी 2019 को एक झोंपड़ी मेंमृत पाई गई थी और उसके बेटे द्वारादर्ज शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। एफएसएल रिपोर्ट में सामने आया किबुजुर्ग महिला के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या की गई। उन्होंने बतायाकि पुलिस ने पहले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया और बाद मेंसंदेह के आधार पर सागर जेल में नाबालिग की हत्या के मामले में बंदीवीरेंद्र को उठाया गया। पुलिस पूछताछ में वीरेंद्र ने बुजुर्ग महिला के साथबलात्कार के बाद उसकी हत्या करने का जुर्म कबूल किया।

संप्रग सरकार के खिलाफ साजिश में 'मुख्य कठपुतली' थे विनोद राय, देश से माफी मांगें: कांग्रेस

नयी दिल्ली। 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन मामले को लेकर किए गए एक दावे पर पूर्व सांसद संजय निरुपम से पूर्व नियंत्रक एवं महा लेखा परीक्षक (सीएजी) विनोद राय के माफी मांगने के बाद कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि 'संप्रग सरकार को बदनाम करने और एक मजबूत अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारने के षड्यंत्र' में राय एक 'मुख्य कठपुतली' थे और उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि ''इस साजिश की अन्य कठपुतलियों'' अरविंद केजरीवाल, किरण बेदी, बाबा रामदेव, वीके सिंह और कुछ अन्य लोगों को भी क्षमा मांगनी चाहिए। कांग्रेस के दावे पर फिलहाल राय और अन्य व्यक्तियों की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार को बदनाम करने का एक आपराधिक षड्यंत्र था जिससे पर्दा धीरे-धीरे उठ रहा है। पहली बार इस पर से पर्दा उस समय उठा था जब सीबीआई की विशेष अदालत ने 21 सितंबर, 2017 को अपना फैसला सुनाया था जिसमें सभी आरोपों की धज्जियां उड़ाई गई थीं। दूसरी बार पर्दा उस समय उठा था जब सीबीआई के वकील ने कोयला आवंटन मामले में मनमोहन सिंह को क्लीन चिट दी थी।'' उन्होंने दावा किया, ''अब तीसरी बार पर्दा खुद विनोद राय ने उठाया है जो खुद इस मामले में मुख्य कठपुतली थे। राय ने स्वीकार किया कि उन्होंने झूठ बोला था, अपनी किताब बेचने के लिए बार-बार झूठ बोला और संजय निरुपम का नाम लिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पीएम मोदी पांच दिवसीय विदेश दौरे पर रवाना, इटली में जी-20 शिखर बैठक में लेंगे भाग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच दिवसीय विदेश यात्रा पर गुरुवार देर रात दिल्ली से रवाना हुए। इस दौरान वे इटली में आयोजित जी-20 शिखर बैठक में भाग लेंगे, जहां वह अन्य जी-20 नेताओं के साथ महामारी, सतत विकास और जलवायु परिवर्तन से वैश्विक आर्थिक और स्वास्थ्य सुधार पर चर्चा में शामिल होंगे।

इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी के निमंत्रण पर पीएम मोदी 30-31 अक्तूबर तक रोम में होने वाले 16वें जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी के साथ बैठक भी करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस से भी मिलेंगे।

दौरे पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि रोम में आयोजित 16वें जी-20 सम्मेलन में भाग लेने जा रहा हूं। इस दौरान जी-20 नेताओं के साथ महामारी, सतत विकास और जलवायु परिवर्तन से वैश्विक आर्थिक और स्वास्थ्य सुधार पर होने वाली चर्चा होगी। 29 से 31 अक्तूबर के दौरान रोम और वेटिकन सिटी का भी दौरा करूंगा। इसके बाद मैं प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के निमंत्रण पर एक से दो नवंबर तक ग्लासगो की यात्रा पर रहूंगा।

कोप-26 में एक नवंबर को भाग लेंगे-पीएम मोदी ब्रिटेन के ग्लासगो में सीओपी-26 वर्ल्ड लीडर्स समिट में भी हिस्सा लेंगे और कार्बन स्पेस के समान वितरण समेत जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को व्यापक रूप से संबोधित करने की जरूरत को रेखांकित करेंगे। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के लिए पार्टियों का 26वें सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसमें दुनिया भर के 120 देशों के प्रमुख हिस्सा लेंगे।

वहीं, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने बताया कि यह आठवीं जी-20 बैठक है, जिसमें पीएम शामिल होंगे। पिछले साल संगठन की शिखर बैठक कोरोना महामारी के कारण वर्चुअल हुई थी। उसकी मेजबानी सऊदी अरब ने की थी। इससे पहले जून 2019 में जापान के ओसाका में हुई जी-20 बैठक में पीएम मोदी ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया था। इटली की मेजबानी में होने वाली इस साल की बैठक का विषय %जनता, पृथ्वी और समृद्धि (पीपल, प्लेनेट, प्रास्पैरिटी) है। यह विषय यूएन के टिकाऊ विकास के एजेंडा 2030 पर आधारित है।

इटली बैठक का फोकस कोरोना महामारी से अर्थव्यवस्थाओं को उबारना, वैश्विक स्वास्थ्य सुशासन, जलवायु परिवर्तन, टिकाउ विकास और खाद्य सुरक्षा। श्रृंगला ने कहा कि भारत इटली द्वारा चुने गए प्राथमिकता क्षेत्रों का पूरी तरह समर्थन करता है। हम इनमें से प्रत्येक विषय पर इटली के साथ हैं और इसी के आधार पर बैठक में विचार विमर्श होगा।

विदेश सचिव ने कहा कि जी-20 शिखर बैठक विचार विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच है। इसमें नए नीतिगत मसलों, जिनका नागरिकों के जीवन पर असर होता है, पर विचार किया जाता है। ये मसले वैश्विक वित्तीय स्थिरता, टिकाऊ वित्त, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा आदि हैं। प्रधानमंत्री मोदी रोम बैठक में वैश्विक चुनौतियों पर भारत का रुख सामने रख सकते हैं। वे अफगानिस्तान की स्थिति पर समग्र रूप से वैश्विक दृष्टिकोण की पैरवी करने के साथ ही जलवायु परिवर्तन और कोरोना महामारी के खिलाफ एकजुटता की भी बात कर सकते हैं।

अफगानिस्तान को मानवीय मदद करेंगे-श्रृंगला ने कहा कि हम अफगानिस्तान को मानवीय मदद उपलब्ध कराने के पक्ष में हैं। यदि मौजूदा परिस्थितियां जारी रहीं तो हम इसके लिए तैयार हैं। उनसे पूछा गया था कि क्या भारत अफगानिस्तान को खाद्यान्न भेजेगा? विदेश सचिव ने बताया कि जी-20 देशों के बीच महामारी से उबरकर पुनः खड़े होने को लेकर सर्वसम्मति है। इसमें मुख्य फोकस रोजगार सृजन और कौशल विकास है। यह समग्र विचार विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

इंटरनेशनल ट्रैवल शुरू करने पर देंगे जोर-विदेश सचिव ने कहा कि एक-दूसरे की वैक्सीन व वैक्सीन दस्तावेजों को मान्यता देकर इंटरनेशनल ट्रैवल फिर शुरू करने का हमारा प्रस्ताव है। जी-20 में शामिल उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों को इसे मजबूत समर्थन है।

भारत-नेपाल के बीच हुई अहम बैठक-इस बीच भारत और नेपाल के बीच गुरुवार को आपसी सुरक्षा से जुड़े मामलों पर अहम बातचीत हुई। इस दौरान ट्रेनिंग और कैपेसिटी बिल्डिंग पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों ने आपसी मामलों पर विचार के लिए एक खास ग्रुप बनाया है। इस ग्रुप की यह 14वीं मीटिंग थी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

यूपी, दिल्ली समेत इन राज्यों में बढ़ने लगा है वायु प्रदूषण का स्तर, कई जगह बेहद खराब स्थिति

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कुछ राज्यों में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। कई जगहों पर पराली के जलाने की वजह से भी वायु प्रदूषण का स्तर तेजी से खराब हो रहा है। राजधानी दिल्ली में भी इसका असर साफतौर पर दिखाई देने लगा है। दिल्ली के आईटीओ पर सुबह 8 बजे एक्यूआई का स्तर खराब स्तर पर रहा। आनंद विहार पर वायु प्रदूषण का स्तर बेहद खराब स्तर पर था। इसका स्तर सुबह 8 बजे 333 पर रहा है। बता दें कि सर्दी के मौसम में हवा में नमी और हवा में मौजूद बेहद बारीक कण शरीर के लिए बेहद नुकसानदेह साबित होते हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इसका स्तर सुबह 212 था। वायु प्रदूषण का यही स्तर पूसा में 257, रोहिणी में 283, था। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम में वायु प्रदूषण का यही स्तर 284 था। उत्तर प्रदेश के लोनी जिले में शुक्रवार सुबह 8 बजे एक्यूआई लेवल बेहद खराब स्तर पर थी। इसका लेवल सुबह 333 था। इसी तरह से एनसीआर के इलाके इंद्रापुरम ये 286 था, जो एक वायु प्रदूषण का खराब स्तर है। नोयडा सेक्टर 16 में इसका स्तर 284 था। हापुड़ में एक्यूआई का स्तर खराब स्तर पर था जो 271 पर रिकार्ड किया गया। राजधानी लखनऊ में ये माड्रेट स्तर पर 178 था। हरियाणा के जिंद में एक्यूआई लेवल 292 पर खराब रिकार्ड किया गया है। हालांकि सिरसा में ये माड्रेट 140 पर था और पंचकुला में ये संतोषजनक स्तर पर था जिसका स्तर 61 था। इसी तरह से चंडीगढ़ में भी ये संतोषजनक था जिसका स्तर पर 61 था। अंबाला में माड्रेट 114 था। यमुनानगर में एक्यूआई लेवल खराब स्तर पर था जो 282 था। पंजाब के अमृतसर में आज सुबह एक्यूआई लेवल संतोषजनक स्तर पर 84 रिकार्ड किया गया है। जालंधर में इसका स्तर माड्रेट 108 था इसी तरह से बिहार के हाजीपुर में इसका स्तर माड्रेट 172, गया में 158 और राजधानी पटना में 170 रिकार्ड किया गया।

दुर्गा पूजा के बाद बंगाल में बढ़े कोरोना के मरीज, 990 नए मामले दर्ज

कोलकाता। हाल ही में बंगाल में दुर्गा पूजा खूब धूमधाम से मनाई गई। दुर्गा पूजा को लेकर विशेषज्ञों ने आशंका जताई थी कि पूजा के बाद कोरोना के मामलों में वृद्धि हो सकती है, जो अब सच होता दिखा रहा है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार बंगाल ने गुरुवार को 990 नए मामले दर्ज किए, जबकि बुधवार को 976 मामले थे। कोलकाता और उसके आसपास के जिलों में दुर्गा पूजा के बाद कोरोना के मामले बढ़े हैं। स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार पश्चिम बंगाल में गुरुवार को नौ लोगों की मौत हो गई, जिससे राज्य में कोरोनोवायरस से मरने वालों की संख्या 19,105 हो गई। बंगाल में पिछले पांच दिनों में 976, 806, 805, 989 और 974 नए मामले दर्ज किए गए। गुरुवार को संक्रमित होने की दर घटकर 2.18 प्रतिशत हो गई, जो पिछले दिन 2.25 प्रतिशत थी, क्योंकि रोज होने वाले परीक्षणों में की संख्या 43,322 से बढ़कर 45,437 हो गई। ताजा मामलों में 275 कोलकाता, परगना में 164 कोरोना संक्रमित मिले हैं। गुरुवार को 845 लोगों को छुट्टी दे दी गई। कुल 15,62,818 मरीजों को अब तक छुट्टी दे दी गई है। ताजा मौतों की बात करें तो उत्तर 24 परगना, हावड़ा और नदिया जिलों में दो-दो लोगों की मौत हुई है।

बतौर 'सिक्यूरिटी' जारी चेक को बेकार कागज का टुकड़ा नहीं माना जा सकता-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि किसी वित्तीय सौदे में बतौर 'सिक्यूरिटी' जारी किए गए चेक को बेकार कागज का टुकड़ा नहीं माना जा सकता। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि 'सिक्यूरिटी' अपने सही मायने में सुरक्षा के लिए है और कर्ज के लिए सुरक्षा भुगतान की प्रतिज्ञा के रूप में दी जाती है। साथ ही कहा कि सिर्फ चेक बाउंस होने को धोखाधड़ी के इरादे से किया गया कार्य नहीं माना जा सकता है।

जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ ने कहा कि चेक यह सुनिश्चित करने के लिए दिया जाता है, जमा किया जाता है या गिरवी रखा जाता है कि लेन-देन करने वाले पक्ष बाध्य हों। पीठ ने कहा कि यदि कर्ज के मामले में कर्जदार एक तय समय सीमा में राशि चुकाने पर सहमत है और इस तरह के पुनर्भुगतान को सुरक्षित करने के लिए सिक्यूरिटी के रूप में चेक जारी करता है तो ऐसे चेक को भुगतान के लिए लगाया जा सकता है और चेक लगाने वाला भुगतान का हकदार होगा।

कोर्ट ने आगे कहा कि यदि इस तरह चेक लगाने पर बाउंस होता है तो धारा-138 और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के अन्य प्रविधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। शीर्ष कोर्ट ने झारखंड के एक मामले में सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया।

किसी वित्तीय सौदे में बतौर 'सिक्यूरिटी' जारी किए गए चेक को बेकार कागज का टुकड़ा नहीं माना जा सकता। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि 'सिक्यूरिटी' अपने सही मायने में सुरक्षा के लिए है और कर्ज के लिए सुरक्षा भुगतान की प्रतिज्ञा के रूप में दी जाती है।

आरा में सुबह-सुबह बड़ा हादसा

मॉर्निंग वॉक पर गईं महिलाओं को स्कॉर्पियो ने कुचला, 4 की मौत

भोजपुर। आरा जिले के भोजपुर में सुबह-सुबह बड़ा हादसा हो गया है। जिले के पीरो अनुमंडल के देवचंदा में शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकलीं महिलाओं को स्कॉर्पियों ने कुचल दिया। घटना में चार महिलाओं की मौत हो गई है। महिलाओं को कुचलने के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया है। चारों महिलाएं ओझवलिया गांव की रहने वाली थीं। घटना के समय महिलाएं पीरो-बिहिया पथ पर देवचंदा पुल के पास टहल रही थीं। मृत महिलाओं की पहचान वकील सिंह की पत्नी मोतीझारो देवी, बड़क सिंह की पत्नी मानती देवी, हरि प्रसाद सिंह की पत्नी उर्मिला देवी और अशोक सिंह यादव की पत्नी सरस्वती देवी के तौर पर हुई है। घटना के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई। लोग घटनास्थल की तरफ दौड़े। पुलिस को मौके पर भीड़ को संभालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस टीम फरार चालक को पकड़ने में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि स्कार्पियो की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह महिलाओं को कुचलते हुए आगे बढ़ गई। सभी महिलाओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

2 लाख KM हाईवे नेटवर्क वाले मोदी सरकार के लक्ष्य को लग सकता है झटका

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 2022 तक भारत में नेशनल हाईवे का नेटवर्क बढ़ाकर दो लाख किलोमीटर करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार भारतमाला, सागरमाला, 23 नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस, नौ इकोनॉमिक कॉरिडोर मेगा परियोजनाओं पर काम कर रही है। लेकिन निर्माण करने वाली केंद्रीय एजेंसी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के चेयरमैन और सदस्य वित्त जैसे अति महत्वपूर्ण पद रिक्त हैं। सरकार से एक साल से पत्राचार चल रहा है, लेकिन किसी की नियुक्ति नहीं हुई। इससे सरकार के लक्ष्य को झटका लग सकता है।

सरकार के इस रवैये को देखते हुए सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के सचिव गिरधर अरमाने ने एनएचएआई चेयरमैन के एसओडी वेंकटरमन को परिवहन भवन (मंत्रालय) में कमरा आवंटित कर दिया है। इससे साफ हो जाता है कि सरकार नया चेयरमैन नियुक्ति करने की जल्दबाजी में नहीं है। सड़क परिवहन मंत्रालय के संयुक्त सचिव कमलेश चतुर्वेदी ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अपर सचिव श्रीनिवास रामास्वामी को 9 जुलाई को पत्र लिखा था। इसमें विभाग में शीर्ष स्तर पर तीन पदों के रिक्त होने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एनएचएआई चेयरमैन सुखबीर सिंह संधू को उनके उत्तराखंड कैडर में भेजने का फैसला जनवरी 2021 में हो गया था। छह माह के विस्तार के बाद चेयरमैन का पद खाली है।

परियोजनाओं पर फैसले लेने में देरी हो रही

इस प्रकार एनएचएआई में सदस्य वित्त का पद सितंबर 2020 से खाली है। इस पर नियुक्ति के लिए कमलेश चतुर्वेदी ने 6 अक्तूबर 2020 को कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा था। इसके बाद कई बार पत्राचार किया जा चुका है। हाल में 1 अक्तूबर को चतुर्वेदी ने केंद्रीय सचिवालय के सचिव अमनदीप गर्ग को पत्र लिखा है। लेकिन अभी तक रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार ने आदेश जारी नहीं किए हैं। इससे नए सड़क निर्माण के प्रस्ताव, चालू परियोजनाओं में वित्तीय मंजूरी आदि परियोजनाओं पर फैसले लेने में देरी हो रही है। यह दीगर बात है कि सरकार का दावा है कि चालू वित्त वर्ष में 40 किलोमीटर प्रतिदिन हाईवे निर्माण का लक्ष्य रखा है। सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र में 2025 तक पांच लाख करोड़ से अधिक निवेश की योजना बनाई है।

चुनावों में फ्री बिजली देने की क्यों मची है होड़

नई दिल्ली। चुनावों का अगला चक्र नजदीक आने के साथ ही नेताओं में मतदाताओं से सस्ती या मुफ्त बिजली देने का वादा करने की होड़-सी मच गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने तो भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं के बिल फाड़ते हुए उनके कनेक्शन बहाल करने की घोषणा तक कर डाली। वहीं, दिल्ली में मुफ्त बिजली के दांव के सफल होने के बाद आप पंजाब और उत्तराखंड के वोटरों को भी इसी वादे से लुभाने की कवायद में जुट गई है। हालांकि, लंबी अवधि की बात करें तो मुफ्त बिजली के वादे के कई दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

अंत में कौन करता है सब्सिडी का भुगतान

वितरण कंपनियां उत्पादकों से व्यावसायिक दर पर बिजली खरीदती हैं। जब कोई सरकार उपभोक्ताओं को सस्ती या मुफ्त बिजली की पेशकश करती है तो उसे वितरण कंपनियों को शेष राशि का भुगतान करना पड़ता है। यह भुगतान दो तरह से किया जाता है। पहला, सरकार बिजली वितरण कंपनियों पर चढ़ा ऋण अपने ऊपर लेते हुए उसे सरकारी खजाने से भरती है। दूसरा, वह अन्य वर्गों के उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में इजाफा कर देती है। इस प्रक्रिया को 'क्रॉस सब्सिडी' कहते हैं। दोनों ही सूरतों में आम उपभोक्ताओं को ही सब्सिडी का बोझ उठाना पड़ता है। हालांकि, आंकड़े दर्शाते हैं कि 'क्रॉस सब्सिडी' अंतर के भुगतान में सक्षम नहीं है। इससे बिजली कंपनियों पर बकाया राशि बढ़ती चली जाती है।

वितरकों पर मनरेगा के सालाना खर्च से ज्यादा बकाया

ऊर्जा मंत्रालय के पोर्टल 'प्राप्ति' पर उपलब्ध आंकड़े दर्शाते हैं कि 22 अक्तूबर 2021 तक बिजली वितरकों को उत्पादन कंपनियों को कुल 1.01 लाख करोड़ रुपये का बकाया भुगतान करना था। वित्त वर्ष 2021-22 की शुरुआत में यह धनराशि 79112 करोड़ रुपये के करीब थी, जो महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) पर सालभर में खर्च होने वाली रकम से कहीं ज्यादा है। यही नहीं, बकाया राशि दो श्रेणियों मे बंटी होती है। पहली, अधिकतम 60 दिन, जिसमें वितरकों पर कोई अतिरिक्त शुल्क नही लगता। दूसरी, 60 दिन से अधिक, जिसमे उत्पादक बकाया राशि पर ब्याज वसूलते हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि इस वित्त वर्ष की शुरुआत के बाद से 60 दिन से अधिक श्रेणी की बकाया राशि में आठ फीसदी का इजाफा हुआ है। यह रकम कुल बकाया राशि का 80 फीसदी हो गई है।

हालांकि, लंबी अवधि की बात करें तो मुफ्त बिजली के वादे के कई दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com